सीवान में रिटायर्ड वृद्ध टीचर की गला रेतकर निर्मम हत्या 2

पटना में दिनदहाड़े गैस वेंडर की हत्या से हडकंप 3

वोट में तब्दील होने वाले मुद्दों की तलाश बड़ी चुनौती 4

पहली खबर, सबपे नजर

अमृतवर्षा

पटना

वर्ष -	38
अंक -	79
शुक्रवार, 05 अप्रैल 2024	
रजि. नं. पी टी. -	405
पेज -	08
मूल्य -	2.00

website:- www.amritvarshanews.in/e-mail:- amritvarshanews2015@gmail.com

पटना, धनबाद व नई दिल्ली से प्रकाशित

न्यूज फ्लैश

सऊदी अरब से भारत लाया गया वांछित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण द्वारा जांच किए जा रहे सोना तस्करी के एक मामले में वांछित और इंटरपोल के रेड नोटिस का सामना कर रहे एक आरोपी को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा समन्वित एक अभियान में सऊदी अरब से वतन वापस लाया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि जांच एजेंसी के वैश्विक अभियान केंद्र ने शौकत अली की सऊदी अरब से मुंबई वापसी के लिए इंटरपोल के माध्यम से राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो-रियाद के साथ समन्वय किया है। अली को बुधवार रात वापस लाया गया। अली राजस्थान के जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तस्करी कर लाई गई सोने की छड़ों की जब्ती से संबंधित 2020 में दर्ज मामले में वांछित था। इस मामले की जांच एनआईए कर रही है। अधिकारी ने बताया, जांच के दौरान यह पता चला कि आरोपी शौकत अली ने सह आरोपियों के साथ मिलकर सऊदी अरब से भारत में सोने की छड़ों की तस्करी की साजिश रची थी। उन्होंने बताया कि अली के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के कड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। उसके सऊदी अरब में होने का पता चला जिसके बाद इंटरपोल के जरिए वहां संपर्क किया गया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह विवाद: 18 अप्रैल को होगी सुनवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा स्थित कटरा केशव देव के नाम दर्ज जमीन से शाही ईदगाह का अवैध कब्जा हटाकर भगवान श्रीकृष्ण विराजमान को सौंपने सहित अन्य मांगों को लेकर विचाराधीन दीवानी मुकदमों की गुरुवार को सुनवाई हुई. इन मुकदमों में लगभग सवा दो घंटे तक चली सुनवाई में दोनों पक्षों की ओर से तर्क प्रस्तुत किए गए अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने भगवान श्रीकृष्ण विराजमान कटरा केशव देव व अन्य सहित 18 दीवानी मुकदमों की सुनवाई करते हुए दिया है। गुरुवार को सुनवाई में सीपीसी के आदेश सात नियम 11 के तहत दीवानी मुकदमे की पोषणीयता, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991, लिमिटेशन एक्ट, वक्फ अधिनियम आदि बिंदुओं पर बहस हुई। वक्फ बोर्ड की ओर से तसनीम अहमदी, श्रीकृष्ण जन्मभूमि की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से बहस की। ये विवाद 13.37 एकड़ जमीन के मालिकाना हक को लेकर चल रहा है। इस जमीन पर 11 एकड़ में भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर है। वहीं जमीन में 2.37 एकड़ हिस्सा शाही ईदगाह मस्जिद के कब्जे में है। हिंदू पक्ष का दावा है कि यह श्रीकृष्ण जन्मभूमि है। इस विवाद की शुरूआत करीब 350 साल पुरानी बताया जाती है। उस वक्त दिल्ली की गद्दी पर औरंगजेब का शासन हुआ करता था। 1670 में औरंगजेब ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्म स्थान तोड़ने का आदेश दिया था। इसके बाद यहां पर शाही ईदगाह मस्जिद बनाई गई थी। इटेलियन टूरिस्ट निकोलस मनूची ने लिखा था कि रमजान के महीने में श्रीकृष्ण जन्मस्थान को तोड़ा गया था।

जमुई से पीएम का विपक्ष पर वार: यह चुनावी रैली नहीं बल्कि विजय रैली, आपलोग 40 सीट दीजिये, बोले

'जो लोग नौकरी के नाम पर जमीन लिखवा लें, वो क्या भला करेंगे'

जमुई/पटना, अमृतवर्षा ब्यूरो

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जमुई के खैरा में सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लालू के जंगलराज, भ्रष्टाचार और इंडी अलायंस पर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि पहले आतंकी हमारे ऊपर हमला कर के चले जाते थे। कांग्रेस दूसरे देशों के पास शिकायत लेकर जाती थी। हमने कहा ऐसे नहीं चलेगा। आज का भारत घर में घुसकर मारता है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि ये चुनावी सभा है या विजय सभा है। उन्होंने चिराग पासवान और जमुई से कैंडिडेट उनके बहनोई को अपना भाई बताया। पीएम ने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इन पार्टियों ने देश का नाम खराब किया है। सभा को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि नरेंद्र मोदी फिर देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने भी लालू सरकार के जंगलराज की याद दिलाई। कहा- पहले हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था। अब सब कंट्रोल में है। इन लोगों को ले आएंगे तो ये फिर से यही सब करवाएंगे।

आरजेडी-कांग्रेस ने राम मंदिर का उपहास उड़ाया, सभी भ्रष्टाचारी आज एक होकर बोल रहे हैं

पीएम मोदी और सीएम नीतीश 32 दिन बाद फिर एक साथ एक मंच पर हैं। इससे पहले औरंगाबाद में दोनों एक मंच पर नजर आए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमुई में भारत माता की जय के साथ अपने भाषण की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि यह भगवान महावीर की धरती है। सभा में जो हुजूम आया है, उससे यह लग रहा है कि यह चुनावी रैली नहीं बल्कि विजय रैली है। उन्होंने लोगों से बिहार की सभी 40 सीटें एनडीए को देने की अपील की।

आज का भारत घर में घुसकर मारता है: पीएम मोदी ने आतंकवाद पर कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि पहले आतंकी हमारे ऊपर हमला कर के चले जाते थे। कांग्रेस दूसरे देशों के पास शिकायत लेकर जाती थी। हमने कहा ऐसे नहीं चलेगा। भारत वही महान पाटलिपुत्र और मगध वाला भारत है। आज का भारत घर में घुसकर मारता है।

नौकरी के नाम पर जमीन लिखवा लेने वाले कभी भी बिहार का भला नही करेंगे: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के जमुई में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग नौकरी के नाम पर जमीन लिखवा लें वो क्या बिहार का भला करेंगे। पीएम मोदी ने अपने भाषण में दिवंगत रामविलास पासवान को याद किया। उन्होंने रामविलास के बेटे चिराग को अपना छोटा भाई बताया। इससे पहले सीएम नीतीश ने अपने भाषण में एक बार फिर कहा कि वे एनडीए छोड़कर नहीं जाएंगे। बीच में चले गए थे, अब इधर-उधर नहीं होंगे। सम्राट चौधरी ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार ने बालू, शराब और जमीन माफिया को टाइट कर दिया है। लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के बाद पीएम की बिहार में यह पहली जनसभा है। पीएम मोदी गुरुवार को बिहार में बीजेपी और एनडीए के चुनाव प्रचार का शंखनाद कर रहे हैं। इस दौरान वे परिवारवाद एवं जंगलराज जैसे मुद्दों पर आरजेडी और कांग्रेस को घेर सकते हैं। जमुई लोकसभा सीट से लोजपा रामविलास के मुखिया चिराग पासवान के जीजा अरुण भारती एनडीए के उम्मीदवार हैं। पीएम उनके पक्ष में प्रचार करने जमुई आए हैं।

आरजेडी-कांग्रेस ने राम मंदिर का उपहास उड़ाया, पीएम मोदी का विपक्ष पर वार: पीएम मोदी ने कहा कि आरजेडी के जंगलराज में बेटियों को सड़कों से उठा लिया जाता था। हमारी सरकार ने राम मंदिर का 500 साल पुराना सपना साकार किया। आरजेडी कांग्रेस ने राम मंदिर न बने, इसके लिए पूरी ताकत लगा दी। ये लोग राम मंदिर का उपहास उड़ाते हैं, अपमान करते हैं। इन लोगों ने हर मौके पर बिहार और बिहारी गौरव का अपमान किया। कपूर्री ठाकुर का अपमान किया। हमारी सरकार ने जब कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न दिया तो इन लोगों ने विरोध किया। इन्होंने रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति बनाने का विरोध किया। आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति नहीं बनाने के लिए पूरी ताकत इन्होंने लगा दी थी।

सभी भ्रष्टाचारी आज एक होकर बोल रहे हैं भ्रष्टाचार पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अगर आज ह्यघमंडिया गठबंधनह्न की सरकार होती तो आपके खाते में सीधा पैसा नहीं आ पाता। आरजेडी और कांग्रेस के लोग आपके सारे पैसे लूट लेते। देश के सभी भ्रष्टाचारी हमेशा एक-दूसरे से लड़ते थे, वो सब एक हो गए हैं। सब कह रहे हैं मोदी आया है। इसलिए वे मोदी के खिलाफ अनाप-शनाप बोल रहे हैं।

गरीब कल्याण ही मोदी की गारंटी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से कहा कि आपका सपना ही मेरा संकल्प है। बिहार को आगे ले जाना मोदी की गारंटी है। इसलिए केंद्र सरकार ने गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसके प्रयास से बिहार में गरीबों को 37 लाख पक्के घर मिले। 9 करोड़ जरुरतमंदों को मुफ्त राशन मिल रहा है, मोदी की गारंटी है अगले पांच साल भी मिलता रहेगा। 84 लाख से ज्यादा आयुष्मान कार्ड भी बिहार में बने हैं, लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है।

जंगलराज में जमुई की पहचान नक्सलवाद से होती थी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस के काले दौर में जमुई की पहचान नक्सलवाद से होती थी। जंगलराज में सरकार की योजनाएं यहां नहीं पहुंचने दी जाती थी। नक्सली यहां सड़कें नहीं बनने देते थे। इसका नुकसान यहां के गरीब मजदूरों और किसानों को होता था। आज वही जमुई विकास के हाइवे पर तेज रफ्तार पकड़ रहा है।

भारत की चर्चा अब पूरी दुनिया में होती है: पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। चंद्रमा के उस कोने तक कोई नहीं पहुंचा था, वहां हमारा चंद्रयान और तिरंगा पहुंचा है। भारत जब जी20 की बैठक करता है तो उसकी चर्चा पूरे विश्व में होती है। यह मोदी ने नहीं, ये आपने किया है। आपके एक वोट से यह सब हो पाया है। यही आपके वोट की ताकत है। इसलिए इस सफलता की हकदार जनता है।

शराब घोटाला: केसीआर की बेटी कविता की अंतरिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार तक के लिए बीआरएस नेता के कविता की अंतरिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। उन्होंने अपने बेटे की परीक्षा को लेकर जमानत मांगी है। फिलहाल, वह अभी न्यायिक हिरासत में हैं। उनकी नियमित जमानत याचिका को 20 अप्रैल के लिए सूचीबद्ध किया गया है। शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्रीय समिति की नेता के कविता की ओर से दायर अंतरिम जमानत याचिका पर दिल्ली कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। के कविता और ईडी की ओर से पक्ष रखने के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। के कविता की ओर से कोर्ट में पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनू सिंघवी ने कहा कि के कविता को भी पीएमएलए की धारा 45 के प्रावधानों के तहत जमानत मिलनी चाहिए। वहीं के कविता की जमानत का प्रवर्तन निदेशालय ने विरोध किया। कविता को ईडी ने हैदराबाद से 15 मार्च 2024 की शाम को उनके घर से गिरफ्तार किया था।

नरेंद्र मोदी फिर प्रधानमंत्री बनेंगे, मैं कहीं नहीं जाऊंगा: नीतीश

जमुई/पटना, अमृतवर्षा सं.। बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी ने आधिकारिक रूप से जमुई से चुनाव का ऐलान किया। जमुई में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एनडीए की पहली आधिकारिक जनसभा हुई जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत एनडीए के सभी घटक दलों के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। इस दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में एक बार फिर लालू प्रसाद यादव के जंगलराज को लेकर राजद और महागठबंधन पर जमकर एक के बाद एक कई हमले किए। इसके साथ-साथ उन्होंने बिहार की जनता को यह कहा कि आप लोग इस बार बिहार से 40 के 40 एनडीए को देखकर नरेंद्र मोदी को एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनाने का काम करें ताकि केंद्र और राज्य मिलकर बिहार के विकास के लिए और अधिक से अधिक कर सके। सभी कंट्रोल में है, ये आएंगे तो ये फिर से यही सब करवाएंगे नीतीश ने कहा कि 2005 से हम लोग मिलकर काम कर रहे हैं। हमने बहुत तेजी से काम किया।पहले हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था। अब सब कंट्रोल में है।

इन लोगों को ले आएंगे तो ये फिर से यही सब करवाएंगे। इस सभा से बिहार में एनडीए की चुनावी रैलियों की शुरूआत हो गई। यहां से प्रधानमंत्री सिर्फ जमुई ही नहीं, बल्कि पड़ोसी संसदीय क्षेत्र नवादा, गया, औरंगाबाद, बांका और मुंगेर को भी साधेंगे। जमुई, नवादा, औरंगाबाद और गया में पहले ही फेज में वोटिंग हैं।

अब हम इधर-उधर होने वाले नहीं हैं: सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आपको याद है ना 2005 से पहले कोई घर से बाहर नहीं निकलता था। पहले लड़के-लड़कियां घर से नहीं निकले थे, अब सब निकलते हैं। अब हम इधर-उधर होने वाले नहीं हैं।

नीतीश ने याद दिलाया जंगलराज: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कपूर्री ठाकुर जी को भारत रत्न देने के लिए मैं आपका अभिनंदन करता हूं। 2005 से हम लोग मिलकर काम कर रहे हैं। हमने बहुत तेजी से काम किया। नीतीश ने जंगलराज का याद दिलाया। कहा कि अब भाई-भाई कर रहा है।

कुछ दिन इनको साथ क्या रख लिए, ये कहते है कि हमने बड़ा काम कर दिया: इस रैली से सीएम नीतीश कुमार ने एक बार फिर से तेजस्वी यादव को आड़े हाथ लिया है। नीतीश कुमार ने कहा कि -बीच में कुछ दिन के लिए साथ क्या रख लिए उसे लगने लगा की काम उनसे किया है, लेकिन वो तो गड़बड़ करने लगा। नीतीश कुमार ने बिना नाम लिए हुए तंज करते हुए कहा कि बीच में उसको साथ मिला लिए और साथ में काम कर लिए तो झूठ- मूठ का आजकल कहता फिरता है कि हमने काम किया। लेकिन, वह काम भी हमारा था और हमने ही इसकी शुरूआत की थी। लेकिन हमने देखा कि यह लोग वहां भी गड़बड़ कर रहे थे तो हमने उनका साथ छोड़ दिया। अब सब मिलकर एनडीए के साथ हो गए हैं अब कभी हम इधर-उधर नहीं होने वाले हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि जब हम लोग नहीं सरकार में थे तो शाम में क्या कोई घर से बाहर निकल पाता था आज वह लोग बड़ा भारी-भारी और बड़ा-बड़ा मांग करता है।

सोनौली बॉर्डर से हिजबुल मुजाहिदीन के तीन आंतकी गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद पहली रामनवमी के अवसर पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई बड़ी वारदात कराकर प्रदेश की शांति-व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने की फिराक में थी। लोकसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच आतंकी घटना से दूसरे राज्यों में भी अशांति फैलाने की गहरी साजिश को भी नकारा नहीं जा रहा है। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने नेपाल सीमा से घुसे दो पाकिस्तानियों समेत तीन आतंकियों को गिरफ्तार कर आईएसआई के षड्यंत्र को ध्वस्त किया है। पकड़े गए तीनों आरोपियों को आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के कैंप से प्रशिक्षण भी दिलाया गया था। दोनों पाकिस्तानी नागरिक दुबई से काठमांडू (नेपाल) आए थे। नेपाल

से आईएसआई एजेंट की मदद से भारत-नेपाल की सोनौली सीमा से शेख फरेंदा गांव होते हुए भारत में घुसे थे। एक दिन पूर्व खुफिया एजेंसियों की सूचना पर एटीएस की गोरखपुर यूनिट ने तीनों को दबोचा था और लखनऊ लाकर उनसे पूछताछ की गई। एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि सादिकाबाद, रावलपिंडी (पाकिस्तान) निवासी मो. अल्ताफ भट, इस्लामाबाद (पाकिस्तान) निवासी सैय्यद गजनफर व श्रीनगर निवासी नासिर अली को गिरफ्तार किया गया है। तीनों आतंकी घटना की साजिश के चलते घुसे थे। तीनों से मिली जानकारियों के आधार पर आगे की छानबीन कराई जा रही है। अल्ताफ ने पूछताछ में बताया कि उसका जन्म कश्मीर में हुआ था। कारगिल युद्ध के बाद वह हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकियों के संपर्क में आया था और पाकिस्तान चला गया था। जहां हिजबुल मुजाहिदीन के मुजफ्फराबाद कैंप में जिहाद व असलहे चलाने का प्रशिक्षण लिया। उसकी शुरू से इच्छा थी कि कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा हो। इस मकसद का पूरा करने के लिए वह आईएसआई से जुड़ गया था और भारत में आतंक फैलाने के षड्यंत्र में शामिल था। अल्ताफ ने कैंप में लंबा समय बिताया था और हिजबुल मुजाहिदीन के कई कमांडरों के सीधे संपर्क में आ गया था।

'गुलाम कश्मीर पर भारत का रुख किसी एक पक्ष का नहीं': विदेश मंत्री बोले

अगर कुछ हुआ तो देंगे कड़ा जवाब

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के रुख की पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला 'गुलाम कश्मीर' भारत का अभिन्न अंग है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि 'गुलाम कश्मीर' पर भारत का यह रुख किसी एक पक्ष का नहीं बल्कि पूरे देश का है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान को लेकर मुख्य चिंता आतंकवाद को लेकर है, और अगर कुछ भी अनियंत्रित हुआ तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। जयशंकर ने गुरुवार को तिरुवनंतपुरम में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, गुलाम कश्मीर के मुद्दे पर एक राष्ट्रीय स्थिति है न कि पार्टी की स्थिति। भारत की संसद ने एकजुट रुख

अपनाया है और देश के हर राजनीतिक दल ने उस रुख का समर्थन किया है। हम यह कभी स्वीकार नहीं करेंगे कि गुलाम कश्मीर इसका हिस्सा नहीं है। भारत का यह एकजुट रुख है, यह हमारा रुख है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के लिए केंद्रीय मुद्दा आतंकवाद है और आतंकवाद के मुद्दे पर हम एक पार्टी और सरकार के रूप में बहुत स्पष्ट हैं कि हम आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं करेंगे और जब आतंकवाद होगा तो नजरें नहीं फेरेंगे। अगर कुछ होता है तो हम करेंगे। इससे निपटेंगे, हम जवाब देंगे और यह हमारा रिकॉर्ड रहा है। चीन के साथ संबंधों के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने स्वीकार किया कि संबंध चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन पुष्टि की कि भारत प्रतिस्पर्धी तरीके से प्रतिस्पर्धा करेगा। जयशंकर ने कहा, चीन के साथ हमारे चुनौतीपूर्ण रिश्ते हैं। लेकिन, यह एक ऐसा देश है जो आत्मविश्वासी है, जो प्रतिस्पर्धी तरीके से अपने हितों को आगे बढ़ाने और उनकी रक्षा करने में सक्षम है और हम प्रतिस्पर्धा करेंगे। जयशंकर ने अपने पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों के बारे में किसी भी संदेह से इनकार किया, और कहा कि भारत के अंदर और पड़ोस में "ताकतें" हो सकती हैं जो समस्याएं पैदा करना चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान और चीन को छोड़कर पड़ोस के साथ भारत के रिश्ते लंबे समय से काफी बेहतर हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का पीएम पर हमला

56 इंच की छाती वाले ने देश के बहुत बड़े भूभाग को चीन के लिए क्यों छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को चीन के भारतीय क्षेत्र में ह्यघुसने' के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर नींद की गोली खाकर 'सोने' का आरोप लगाया। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी देश के बारे में नहीं सोचते बल्कि गांधी परिवार को गालियां देते रहते हैं। खरगे ने कहा कि 'मोदी हर किसी को डरा रहे हैं और झूठों के सरदार' हैं। वे चित्तौड़गढ़ में कांग्रेस उम्मीदवार उदयलाल आंजना के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

वो अंदर घुस आए, आप क्या नींद ले रहे हो?: खरगे ने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, मोदी जी कहते हैं 56 इंच की छाती है मेरी ... मैं नहीं डरूंगा। अरे भाई आप नहीं डरते, तो फिर देश के बहुत बड़े भूभाग को

चीन के लिए क्यों छोड़ दिया? वो अंदर घुस कर आ रहे हैं ... आप क्या नींद ले रहे हो? क्या नींद की गोली खाये हो?" उन्होंने कहा, ... तो (मोदी) देश के लिए कभी कुछ सोचते नहीं.. सिर्फ गांधी परिवार को गालियां देना, हमको गालियां देना... यही काम करते हैं। देश के लोगों को सताकर और तबाह करके उनको अपने साथ लेना चाहते हैं। सब जगह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर को उन्होंने पीछे लगाया हुआ है। मैं यह कहूंगा कि ये हमेशा झूठ बोलते रहते हैं।'

लोग मोदी की गारंटी पर भरोसा न करें: खरगे ने कहा कि लोग न तो मोदी पर, न ही उनकी गारंटी पर भरोसा करें। उन्होंने कहा कि मोदी जी की एक भी गारंटी पूरी नहीं हुई, न दो करोड़ नौकरी आई, न 15 लाख रुपये आये, किसानों की न आमदनी बढ़ी न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा। उन्होंने कहा कि सब झूठ है, वह एक के ऊपर एक झूठ बोलते हैं। खरगे ने कहा कि अब वह एक नया नाटक लाये हैं- ये मोदी की गारंटी है और मोदी जरूर इस गारंटी को अमल में लाएगा। उन्होंने कहा,आपने पुराने गारंटी लागू नहीं की अब अब आगे की गारंटी का क्या है? जो आदमी पुरानी गारंटी को अमल में नहीं लाता उसके आगे की बातों पर कैसे भरोसा कर सकते हैं। तो मोदी की गारंटी पर भरोसा मत करो, मोदी जी के ऊपर भी भरोसा मत करो।

मोदी जी झूठों के सरदार हैं: उन्होंने कहा, सबको डराते हैं, धमकाते हैं लेकिन कांग्रेस के लोग डरने वाले नहीं है। वो हिम्मत से लड़ने वाले हैं। अगर आप उन्हें डराना धमकाना चाहते हैं, तो मोदी जी ये नहीं होने वाला है। आपसे भी ज्यादा लड़ना हमने सीखा है। आपने सिर्फ बात करनी सीखी है। हमने त्याग करना भी सीखा है, लड़ना भी सीखा है और लोगों की भलाई करनी भी सीखी है। खरगे ने कहा कि जिस देश में सुई नहीं बनती थी उस देश में जवाहर लाल नेहरू व इंदिरा गांधी ने रॉकेट बनाने का काम किया। अलग-अलग पार्टियों के नेताओं को भाजपा में शामिल करने की घटनाओं पर कटाक्ष करते हुए खरगे ने कहा, भ्रष्टाचारियों को लेकर आप हुकूमत करते और दूसरों को भ्रष्टाचारी बताते हैं?" उन्होंने आगे कहा, ये सब झूठे हैं और मोदी जी झूठों के सरदार हैं। परिवारवाद को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधे जाने पर पलटवार करते हुए खरगे ने कहा, हमेशा यही कहते हैं कि परिवारवाद.... परिवारवाद? गांधी परिवार की बात करते हो।

कर्नाटक हाईकोर्ट में भरेंगे जजों के खाली पड़े पद

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की पांच नामों की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र से कर्नाटक हाईकोर्ट के पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है। कॉलेजियम में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बीआर गवई भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के तीन अप्रैल के प्रस्ताव के अनुसार, हाईकोर्ट कॉलेजियम ने 20 जनवरी को सर्वसम्मति से सिफारिश की थी कि पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाए और अतिरिक्त न्यायाधीश बसवराज का कार्यकाल एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाया जाए। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड किए गए प्रस्ताव में उल्लेख किया, कर्नाटक राज्य के मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने उपरोक्त सिफारिश पर अपनी सहमति व्यक्त की है। इसने कहा, मामले के सभी पहलुओं पर विचार करने और उपरोक्त प्रस्ताव पर समग्र विचार करने के बाद, कॉलेजियम का विचार है कि जस्टिस चेप्पुडिरा मोनप्पा पूनाचा, जस्टिस अनिल भीमसेन कट्टी, जस्टिस चंद्रशेखर मृत्युंजय जोशी, जस्टिस उमेश मंजूनाथभट अडिगा और जस्टिस तलकाड गिरिगौड़ा शिवशंकर गौड़ा स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए उपयुक्त एवं योग्य हैं। प्रस्ताव में कहा गया कि जहां तक जस्टिस बसवराज का संबंध है, तो सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम, हाईकोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश से पूरी तरह सहमत है और उसका मानना है कि वह एक वर्ष के नए कार्यकाल के लिए अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने के योग्य हैं।

गोपालगंज में अनियंत्रित वाहन की चपेट में आने से युवक की हुई मौत

गोपालगंज। जिले के बेलवनवा गांव के पास अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार धक्का मार दिया। धक्का लगते ही दोनों युवक मौके पर गिर गए। जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। जख्मी युवक को पुलिस ने तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से डॉक्टर ने बेहतर ईलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। वही शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान छपरा जिले के मसरख तरैया गांव निवासी राजकुमार शर्मा के बेटा चंदन कुमार शर्मा के रूप में की गई है।

अपडेट न्यूज

एसएसबी ने गांजे के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

सीतामढ़ी। सोनबरसा इंडो भारत की सीमा पर तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही है। बुधवार की देर रात नेपाल से भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे दो तस्करों को एक किलो

गांजे के साथ एसएसबी ने गिरफ्तार किया है। नेपाल बॉर्डर पर गश्त लगा रहे स्थानीय कैंप के अधीन एसएसबी इंदरवा बीओपी के जवानों ने पिलर संख्या 319 सहोरबा गांव के समीप से गिफ्तारी की है। दोनों तस्करों के पास से बाइक भी बरामद की गई है।कम्पनी कमांडर इंस्पेक्टर रमेश कुमार ग्वाला ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार की देर रात नेपाल बाइक से दो गांजा तस्कर भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे थे। एसएसबी ने जब उन्हें रोका तो वह भागने का प्रयास करने लगे। एसएसबी के द्वारा दोनों तस्करों को खदेड़ कर पकड़ा गया।थाना अध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि दोनों तस्कर के विरुद्ध मादक द्रव्य एवं मनोत्तेजक पदार्थ अधिनियम धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायिक हिरासत भेज दिया गया है। कम्पनी कमांडर इंस्पेक्टर रमेश कुमार ग्वाला ने बताया कि गिरफ्तार किये गए तस्कर की पहचान नेपाल सलाहीं जिला हरिवन थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 2 अतरौली गांव निवासी राज कुमार महतो के पुत्र मुकेश कुमार महतो व लाल बाबू महतो के पुत्र सुशील कुमार महतो के रूप में की गई है।पहले से नाका लगाए उपनिरीक्षक निरत सिंह आरक्षी शेर साह जहां, नरेंद्र सिंह तोमर व नितिन ने नेपाल से तेजी से आ रहे हीरो एस्प्लेनडर बाइक 2403 प्रदेश 02 -5448 पर सवार दो तस्कर को रोका।

दरभंगा में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, दो बच्चों की मौत

दरभंगा। जिले में बुधवार की रात दिल दहलाने वाली घटना घटी है। यहां शॉर्ट सर्किट से फूस के घर में भीषण आग लग गई, जिसमें झुलसने से एक ही परिवार के दो बच्चे की मौत हो गई। वहीं महिला की स्थिति गंभीर है। घटना बिरौल थाना क्षेत्र के सुपौल पंचायत स्थिति हाट गाछी गांव की है। बताया जाता है कि अशोक सहनी की 25 वर्षीय पत्नी गीता देवी और उनके दो बच्चे एक वर्षीय अंकुश व पांच वर्षीय अंकित बुधवार की रात घर में सो रहे थे। उसी क्रम में बिजली की शॉर्ट सर्किट से घर में आग लग गई। घर में धुआं निकलता देख स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, वहीं पुलिस और अग्निशमन विभाग को इस बात की सूचना दी। हालांकि जब तक सहायता टीम मौके पर पहुंची, तबतक ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। घटना में दोनों मासूम बुरी तरह झुलस गए, जिसमें से एक की मौत हो गई। वहीं स्थानीय लोगों की मदद से घायल मां और दूसरे बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे डीएमसीएच रेफर कर दिया। रास्ते में ले जाने के दौरान दूसरे बच्चे की भी मौत हो गई।

नशे में धुत युवक ने तोड़ी बजरंगबली की मूर्ति

मुंगेर। बरियारपुर थाना क्षेत्र के अखाड़ा टोला रतनपुर में एक शराबी ने मंदिर में बजरंगबली की मूर्ति तोड़ दी। घटना की सूचना मिलते ही बरियारपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पूछताछ में लोगों ने बताया कि मूर्ति तोड़ने वाला जुगल पासवान का पुत्र छोटू पासवान है। छोटू पासवान के घर सहित आसपास खोजबीन की गई परंतु वह कहीं भी नहीं मिला। उसके बाद पुलिस वापस आ गई। पुलिस के जाते ही आरोपी छोटू पासवान बजरंगबली मंदिर में गया और फिर से मूर्ति को तोड़ने लगा। इस बाद उप सरपंच मुकेश कुमार यादव और पंच सदस्य अविनाश कुमार सोरेन ने उसे पकड़ लिया और बरियारपुर पुलिस को फोन किया। पुलिस दोबारा घटनास्थल पहुंची और आरोपी को पकड़ कर ले गई। आरोपी को मेडिकल जांच करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरियारपुर ले जाया गया। बता दें कि बजरंगबली की मूर्ति काशी से मंगाकर मंदिर में स्थापित की गई थी। एसडीपीओ राजेश कुमार ने बताया कि छोटू कुमार पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार छोटू ने पूछताछ में बताया कि दोस्तों से विवाद हुआ था इस वजह से नशे की हालत में उसने हनुमान जी की प्रतिमा को खंडित कर दिया।

सीतामढ़ी में वोटरों को जागरूक करने के लिए निकली साइकिल रैली

सीतामढ़ी। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ चुकी है। जिलों में मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ लोगों के बीच मतदान करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच सीतामढ़ी के डीएम ने भी जिले के लोगों को जागरूक करने के लिए साइकिल रैली निकाली। मिली जानकारी के अनुसार, आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सीतामढ़ी डीएम रुचि पांडे ने गुरुवार सुबह जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए साइकिल रैली निकाली। इस रैली में हर उम्र और हर वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान डीएम खुद भी साइकिल चलाते हुए दिखें। डीएम रुचि पांडे ने कहा कि मतदान करना जरूरी है। हर मतदाता लोकतंत्र के महापर्व के दिन अपने अपने घरों से निकलकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। डीएम ने कहा कि आपके एक मत के कारण एक उम्मीदवार जीतकर आपके लिए काम करेंगे और आपके मतदान नहीं करने से वह अच्छा उम्मीदवार हार सकता है। वहीं, उन्होंने कहा कि निष्पक्ष चुनाव कराने को लेकर जिला प्रशासन प्रतिबंध है। वहीं, जिला प्रशासन द्वारा लगातार लोगों से अपील की जा रही है कि अपने मतदान का शत प्रतिशत प्रयोग करें और निर्भीक होकर मतदान केंद्र पर जाकर वोट डालें। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर जिला प्रशासन लगातार अपराधी प्रवृत्ति के लोगों पर कार्रवाई करने में जुटा है।

सीवान में रिटायर्ड वृद्ध टीचर की गला रेतकर निर्मम हत्या

सीवान, अमृतवर्षा सं.। जिले में बुधवार की देर रात एक वृद्ध रिटायर्ड शिक्षक की अज्ञात बदमाशों ने गला रेतकर हत्या कर दी। घटना मुफस्सिल थाना इलाके के सरसर गांव की है। हत्या के बाद शव को करीब 15 मीटर तक घसीट कर बदमाश ले गए और फिर छोड़कर भाग गए। यह घटना किन कारणों से हुई है अभी तक स्पष्ट नहीं हो रहा है। इस घटना को लेकर दूसरी ओर चर्चा है कि बदमाश किसी और की हत्या करने आए थे और गलती से किसी और को मार दिया। यही वजह है कि मारने के बाद शव को 15 मीटर तक घसीट कर ले गए और फिर वहीं छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। गुरुवार की सुबह सीवान-गोपालगंज मुख्य सड़क को जाम कर दिया। हंगामा करने

शव को घसीट ले गए बदमाश: हत्या के वक्त घर में थे परिजन, आक्रोशित लोगों का सड़क जाम

लगे। लोगों ने कहा कि 12 घंटे के बाद भी पुलिस अभी तक हत्यारों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

हत्या के वक्त घर में थे परिजन: बताया जाता है कि रात में जिस वक्त घटना हुई उस समय परिजन घर में खाना खा कर सोने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान बथान के पास से चिल्लाने की आवाज आई। परिजन पहुंचे तो देखा कि बथान से लेकर जहां तक शव को खींच कर ले जाया गया गया था वहां तक जमीन पर खून लगा था। परिजनों का कहना है कि किसी तरह का किसी से कोई विवाद नहीं है। किसी से दुश्मनी की बात भी नहीं कह रहे हैं। सुबह-सुबह डॉग स्क्वायड के साथ सीआईडी और एफएसएल की टीम भी पहुंची है। इस पूरे मामले पर मुफस्सिल थानाध्यक्ष अशोक कुमार दास ने कहा कि पूरे मामले की जांच हो रही है। अभी पता नहीं चल रहा है कि हत्या किन कारणों से की गई है। बहुत जल्द मामले का खुलासा हो जाएगा और बदमाश पकड़े भी जाएंगे। इस घटना को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि बदमाश किसी और की हत्या करने आए थे और गलती से किसी और को मार दिया। यही वजह है कि मारने के बाद शव को 15 मीटर तक घसीट कर ले गए और फिर वहीं छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। अब आज गुरुवार की सुबह सीवान-गोपालगंज मुख्य सड़क को जाम कर दिया और हंगामा करने लगे। लोगों ने कहा कि 12 घंटे के बाद भी पुलिस अभी तक हत्यारों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। बताया जाता है कि, रात में जिस वक्त घटना हुई उस समय परिजन घर में खाना खा कर सोने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान बथान के पास से चिल्लाने की आवाज आई। परिजन पहुंचे तो देखा कि बथान से लेकर जहां तक शव को खींच कर ले जाया गया गया था वहां तक जमीन पर खून लगा था। परिजनों का कहना है कि किसी तरह का किसी से कोई विवाद नहीं है। किसी से दुश्मनी की बात भी नहीं कह रहे हैं।

नालंदा में दो महिला समेत 3 की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

नालंदा, अमृतवर्षा सं.। जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। मृतकों में दो महिला और एक युवक शामिल है। फिलहाल युवक का शव अज्ञात बताया जा रहा है। पुलिस उसकी पहचान करने में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, पहली घटना सारे थाना क्षेत्र के जगणनाथपुर गांव की है। घटना के संबंध में मृतक के परिवार वालों ने बताया कि महिला बुधवार सुबह 10 बजे घर से घास काटने निकली थी। उसके बाद वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने रातभर काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद अहले सुबह गांव से कुछ दूर स्थित पिपरापुर के उत्तर पाइन से उसके शव को बरामद किया गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी और शव को ग्रामीणों के सहयोग से पाइन से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के

लिए सदर अस्पताल बिहाशरीफ भेज दिया। मृतका की पहचान सारे थाना क्षेत्र जगणनाथपुर गांव निवासी राजा राम पासवान की 40 वर्षीय पत्नी उषा देवी के रूप में की गई है। वहीं, दूसरी घटना बिहाशरीफ मुख्यालय के लहेरी थाना क्षेत्र स्थित गौरक्षणी गली में घटी। जहां एक पुराने मकान से अज्ञात युवक का शव मिला है। जिसकी जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल बिहाशरीफ पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पहचान करने में जुट गई है। प्रथम दृष्टया पुलिस का माना जा रहा कि युवक की मौत नशे के ओवरडोज के कारण हुई है।

सीतामढ़ी में शराब के साथ पकड़े गए युवक की पुलिस कस्टडी में मौत, एक हफ्ते में हिरासत में दूसरी मौत

सीतामढ़ी, अमृतवर्षा सं.। जहां शराब के शराब के साथ पकड़े गए अधेड़ की पुलिस हिरासत में मौत हो गई। भिठ्ठा थाने की यह घटना है। मृतक की पहचान जयप्रकाश कापर उर्फ मैना (45 वर्ष) के रूप में हुई है। इससे पहले राजधानी पटना में अगवा मामले में पूछताछ के लिए लाए गए युवक की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार चोरौत थाना क्षेत्र के यदुपट्टी गांव के वार्ड-1 निवासी स्व.जगदेव कापर के पुत्र जयप्रकाश को भिठ्ठा थाना पुलिस ने मंगलवार की रात नेपाल से तस्करी के 12 बोतल शराब के साथ रातो पुल (एनएच-227) के पास गिरफ्तार किया था। आरोपित को पुलिस बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी कर रही थी। मृतक का भतीजा संजीव कापर उसके लिये घर से खाना लाया था। भोजन करने के दौरान जयप्रकाश की तबियत अत्यधिक खराब होने लगी। भिठ्ठा थानाध्यक्ष रविकांत कुमार उसे आनन-फानन में सुरसंड सीएचसी ले आये। वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। कागजी प्रक्रिया के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये सीतामढ़ी भेज दिया। इस बाबत पूछने पर एसडीपीओ पुपरी अतनु दत्ता ने बताया कि मृतक पर पूर्व में भी शराब का मामला दर्ज है। साथ ही वह शराब मामले में जेल भी जा चुका है। बता दें कि तीन दिन पहले राजधानी पटना में अगवा मामले में पूछताछ के लिए लाये गये एक 28 वर्षीय युवक की मौत पुलिस हिरासत में हो गई। आरोप है कि पूछताछ के दौरान युवक की जमकर पिटाई की गई जिससे उसने दम तोड़ दिया। मृतक जीतेश कुमार राजीवनगर थाना इलाके के नेपालीनगर का रहने वाला था। जीतेश उसके साथी राहुल कुमार और मुकेश कुमार को फुलवारीशरीफ के ब्रह्मपुर के रहने वाले सुरेन्द्र सिंह के 28 वर्षीय पुत्र सुशील कुमार के अगवा किए जाने के मामले में पूछताछ के लिये बीते 31 मार्च की शाम फुलवारीशरीफ डीएसपी 1 के तकनीकी शाखा में लाया गया था। जीतेश के पिता श्री राम सिंह ने केस करवाने वाले अपने संबंधी व पुलिसवालों के उपर साजिश के तहत बेटे की हत्या करने की एफआईआर दर्ज करवाई है।

छुट्टी में घर आए आर्मी जवान की मौत

मधेपुरा। जिले में एक आर्मी जवान की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक की पहचान पिपराही वार्ड-04 निवासी सूर्यनारायण यादव के बेटे अरुण कुमार (29 वर्ष) के रूप में हुई। घटना गम्हरिया थाना क्षेत्र के दुलार गांव की है। यह घटना उसके घर से करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर रात करीब साढ़े 9 बजे हुई। ससुराल जाने के क्रम में हुआ हादसा मृतक के पिता सूर्यनारायण यादव ने बताया कि अरुण 11 साल पहले आर्मी में भर्ती हुआ था। वह कश्मीर के बरमुला में तैनात था और छुट्टी पर घर आया था। बुधवार की रात वह स्कूटी से अपने ससुराल जीवछपुर जा रहा था। घर से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे निकलने पर दुलार में वह दुर्घटना का शिकार हो गया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही अरुण की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और परिजनों को दी।

मध्याह्न भोजन बंद रहने के विरोध में ग्रामीणों ने स्कूल परिसर में किया प्रदर्शन

बांका, अमृतवर्षा सं.। जिला स्थित फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय रामचंदा में शिक्षकों के अनुपस्थित रहने और मध्याह्न भोजन बंद रहने का आरोप लगाते हुए अभिवावकों ने विद्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि उन लोगों इसकी शिकायत अधिकारियों के पास की थी। जांच को लेकर किसी पदाधिकारी के आने की सूचना मिली थी। लेकिन कोई नहीं आया। जिसके बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गये और प्रदर्शन करने लगे। ग्रामीण चमेली देवी, हूरो देवी, रवीना देवी, करिश्मा देवी, मंजू देवी, पिंकी देवी, साक्षी देवी, कविता देवी, छोटी कुमारी, प्रतिमा देवी, गायत्री देवी, रामखेलावन मांझी, अरविंद मांझी, ब्रह्मदेव मांझी, अशोक मांझी एवं रामावतार मांझी ने बताया कि वे लोग

महादलित हैं इसलिए ना तो कोई जनप्रतिनिधि ही प्रयास करते हैं ना ही कोई पदाधिकारी।अभिभवाकों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में एक शिक्षिका दबंग है। वह महीना में एक दिन, एक घंटा के लिए आती है। पंजी में अपनी उपस्थिति दर्ज कर तुरंत लौट जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके बच्चे रोज विद्यालय आते हैं। एक माह बीतने को है शिक्षिका एक बार आई तो अपनी उपस्थिति बनाने। रसोइया शीला देवी एवं दमयंती देवी रोज आती है, लेकिन शिक्षिका के कारण भध्याह्न भोजन बंद है। ग्रामीणों ने बताया कि शिक्षिका चुनौती देती है कि जिला में उसपर कार्रवाई करने वाला कोई नहीं है। ग्रामीणों का कहना था कि प्रखंड के पदाधिकारी अपनी जांच में शिक्षिका को अनुपस्थित पाया था, लेकिन किसी तरह की कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने बताया कि शिक्षिका की मनमानी के खिलाफ ग्रामीणों ने दर्जनों बार लिखित एवं मौखिक सूचना पदाधिकारी को दी है। लेकिन, आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर उनके बच्चों की समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो सड़क जाम करने से लेकर प्रखंड एवं जिला कार्यालय तक धरना प्रदर्शन करेंगे। डीपीओ सह प्रभारी बीईओ फुल्लीडुमर ने बताया कि जिला में टीम निरीक्षण करती है। वो रिपोर्ट करेगी।

मुंगेर में 4 मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा

पुलिसकर्मी का भाई निकला हथियार तस्कर

मुंगेर, अमृतवर्षा सं.

बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है। अपराध और अपराधियों के खिलाफ लगातार एक्शन दिख रहा है। ताजा मामला मुंगेर का है। यहां पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दियारा इलाके में चलाए जा रहे चार मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया है। सरगना समेत तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि अवैध गन फैक्ट्री को संचालित करनेवाले एक पुलिसकर्मी के दो सगे भाई हैं, जबकि एके-47 मामले में एनआईए का फरार अभियुक्त इस गिरोह का सरगना है।

गुप्त सूचना के आधार पर हुई छापेमारी: जिले में अवैध हथियार निमार्ताओं के खिलाफ पुलिस ने बड़ी

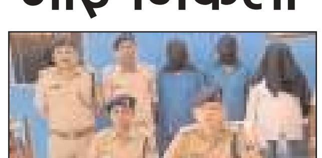

कार्रवाई करते हुए दियारा इलाके में छापेमारी कर चार मिनी गन फैक्टरी का खुलासा किया। पुलिस ने मौके से एक निर्मित पिस्टल, एक अर्धनिर्मित पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस सहित भारी मात्रा में हथियार बनाने के उपकरण बरामद किये हैं। पुलिस ने गिरफ्तार कारीगर की निशानदेही पर शंकरपुर गांव में छापेमारी कर इस गिरोह के मुख्य सरगना सनोज यादव को भी गिरफ्तार कर लय है। सनोज यादव एक कुख्यात हथियार तस्कर है, जिसके खिलाफ एके-47 प्रकरण में एनआईए ने कांड दर्ज कर रखा है। गिरफ्तार सरगना के खिलाफ मुंगेर के विभिन्न थानों के अलावे एनआईए में भी केस चल रहा है। पहले भी वह कई बार जेल जा चुका है। इस मामले में फरार अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

काफी दिनों से चल रहा था अवैध कारोबार: मुंगेर एसपी सैयद इमरान मसूद ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि मुफस्सिल थानाक्षेत्र के सीताचरण दियारा में मिनी गन फैक्टरी का संचालन किया जा रहा है। छापेमारी के लिए प्रशिक्षु आईपीएस शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने दियारा इलाके में छापेमारी कर तीन लोगों को दबोच लिया, जबकि एक मौके से फरार हो गया। तलाशी के दौरान गेहूं के खेत में चलाए जा रहे चार मिनीगन फैक्टरी का खुलासा किया गया।

कटिहार में भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की गयी जान

कटिहार। जिले में भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गयी। वहीं एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। घटना के सम्बन्ध में बताया जा रहा है की कटिहार सहायक थाना क्षेत्र के चर्च के समीप तीन युवक बाइक पर सवार हो कर वापस अपने घर लौटे रहे थे। इस दौरान हाई स्पीड बाइक ने अनियंत्रित होकर डिवाइडर में टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई और एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राणपुर बस्तौल के अमरजीत और मनिहारी बौलिया के गौरव की मौत के बाद कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि अमरजीत पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था।

अनुमति बिना मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे शिक्षक व कर्मचारी

दरभंगा, अमृतवर्षा सं.

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के शिक्षक अधिकारी एवं कर्मचारी बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। मुख्यालय छोड़ने के पहले इन्हें सक्षम अधिकारी से अनुमति लेना पड़ेगा। इस आशय का आदेश कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी ने दिया तो, तीन अप्रैल को कुलसचिव डॉ. अजय कुमार पंडित ने पत्र जारी कर दिया। कुलसचिव ने बताया कि किसी भी शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी को मुख्यालय छोड़ने से पूर्व सक्षम अधिकारी से अवकाश एवं यात्रा की अनुमति लेना होगा। इस निर्णय से सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों एवं कार्यालय अधीक्षकों को भी सूचित कर दिया गया है। इतना ही नहीं, कार्यालय आदेश जारी करते हुए बताया गया है कि 19 मार्च की 10:30 बजे कुलपति के औचक निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी व कर्मचारी अपने कार्यालय में नहीं थे। इनकी कम उपस्थिति को देखते हुए सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे सुबह 10:30 बजे अनिवार्य रूप से अपने कार्यालय में पहुंचेंगे। 11 बजे के बाद ही संबंधित विभाग या कालेज जाएंगे। वहीं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे सुबह 10:30 बजे तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित होंगे। आदेश का पालन नहीं करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गोपालगंज में खाकी पर शराब माफियाओं ने किया हमला, एक पुलिसकर्मी जख्मी

गोपालगंज, अमृतवर्षा सं.

जिले के विशम्भरपुर थाना क्षेत्र के दियारा इलाका स्थित सलेहपुर गांव के पास पुलिस टीम गुप्त सूचना के आधार पर शराब तस्कर को पकड़ने पहुंची थी। पुलिस को देख शराब तस्करों ने पुलिस टीम पर ईट पत्थर से हमला कर दिया और फायरिंग की। फायरिंग के दौरान एक पुलिसकर्मी गोली लगने से जख्मी हो गए। मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने जख्मी पुलिसकर्मी को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर द्वारा उनका इलाज किया गया। जख्मी पुलिसकर्मी की पहचान विशम्भरपुर थाना में तैनात एएसआई सरोज कुमार के रूप में की गई। दरअसल इस संदर्भ में एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए विशम्भरपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार द्वारा शराब बरामदगी के लिए छापामारी किया जा रहा था। इसी क्रम में देर रात गुप्त सूचना मिली कि एक चार पहिया वाहन से शराब लेकर शराब तस्कर

सलेहपुर के रास्ते जा रहे हैं। इस केस में पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के तरेया सुजान थाना क्षेत्र के अहिरौली दान निवासी नंदलाल सिंह के बेटे शराब माफिया गुड्डू सिंह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शराब माफिया के ऊपर कई केस पूर्व से दर्ज हैं। उसका अन्य अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। बता दें कि बिहार सरकार ने 2016 में शराबबंदी कानून लागू किया गया था। कानून के तहत शराब की बिक्री, पीने और बनाने पर प्रतिबंध है। शुरूआत में इस कानून के तहत संपत्ति कुर्क करने और उम्र कैद की सजा तक का प्रावधान था, लेकिन 2018 में संशोधन के बाद सजा में थोड़ी छूट दी गई थी।

पूर्णिया सीट से पप्पू यादव ने दाखिल किया नामांकन, पप्पू बोले

राजनीतिक हत्या की साजिश थी

पूर्णिया, अमृतवर्षा सं.। महागठबंधन में पूर्णिया लोकसभा सीट को लेकर मची खींचतान के बीच आखिरकार गुरुवार को कांग्रेस के नेता पप्पू यादव ने पूर्णिया से चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। पप्पू यादव लगातार ही पूर्णिया को लेकर लड़ने की बात कर रहे थे। हालांकि उन्होंने आखिरी समय तक पूर्णिया लोकसभा सीट कांग्रेस को देने के लिए लालू यादव के पास अर्जी लगाई लेकिन लालू प्रसाद यादव पहले ही पूर्णिया का सिंबल नीतीश कुमार की पार्टी छोड़कर आई विधायक बीमा भारती को दे चुके थे। बीमा भारती ने बुधवार को यहां से नामांकन भी कर दिया जिसके बाद गुरुवार को पप्पू यादव ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। उन्होंने कांग्रेस के सिंबल पर नहीं

बल्कि निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पूर्णिया लोकसभा सीट से अपना पर्चा भरा है। नामांकन के लिए निकलने से पहले उन्होंने अपने माता-पिता का आशीर्वाद लिया। वहीं, नामांकन से पहले पप्पू यादव ने कहा कि आज का दिन मेरी जिंदगी का विशेष दिन है। मैंने सबका दिल जीता है और मुझे सभी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। मैं इंडिया गठबंधन की मजबूती के लिए काम करूंगा। कांग्रेस किसी भी कीमत पर स्थापित हो। हम इस देश के युवाओं की और देश के अर्थव्यवस्था की बात कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि मुझे मधेपुरा से चुनाव लड़ने को कहा जा रहा था। लेकिन मैंने कहा था कि जब मैं काम पूर्णिया में और यहां के लोगों के लिए किया हूं तो दूसरी जगह कैसे जा सकता हूँ। आप बीमा भारती जी को वहां भेज दें। लेकिन मेरी बात नहीं सुनी गई।

कांग्रेस परिवार मेरे साथ है और मैं कांग्रेस के साथ खड़ा रहूंगा: इसके आगे पप्पू यादव ने कहा कि मैं परेशान जरूर हुआ हूं, मगर हिम्मत बरकरार है। कांग्रेस परिवार मेरे साथ है और मैं कांग्रेस के साथ खड़ा रहूंगा। देश और पूर्णिया की जनता के लिए मैं चुनाव लड़ रहा हूं। जनता के आशीर्वाद से जीत होगी। मैं निर्दलीय चुनाव लडूंगा या नहीं यह वक्त बताएगा। मुझे हर किसी का आशीर्वाद मिला है। प्रेशर पॉलिटिक्स करते हुए पप्पू यादव ने कहा था कि दुनिया छोड़ दूंगा लेकिन पूर्णिया नहीं छोडूंगा। राहुल गांधी जी और प्रियंका गांधी जी का विश्वास मेरे साथ है। अब फैसला उनको करना है। इसके ठीक बाद बिहार में महागठबंधन के बीच सीटों का बंटवारा हो गया। हालांकि, महागठबंधन ने पप्पू यादव का पत्ता काट दिया है। पूर्णिया की सीट राजद के खाते में चली गई। इस सीट के राजद खाते में जाने से खफा पप्पू यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पूर्णिया से फ्रेंडली फाइट की घोषणा कर दी है।

पप्पू यादव ने जाप का कांग्रेस में किया है विलय: विगत 20 मार्च को अपनी पार्टी जाप का कांग्रेस में विलय कर पप्पू यादव ने सभी को चौंकाया था। विलय के बाद से ही ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि कांग्रेस की पारंपरिक सीट रही पूर्णिया लोकसभा सीट कांग्रेस के खाते में जाएगी।

पटना में पैसों के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, फायरिंग से इलाके में हड़कंप

पटना। बुद्धा कॉलोनी थाना इलाके के पहलवान घाट के पास बुधवार की देर रात दो पक्षों के बीच मारपीट के बाद फायरिंग की घटना हुई है। यहीं के दो युवकों के बीच कुछ दिन से पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों के बीच बकझक हुई। दोनों ने एक दूसरे देख लेने की धमकी दी थी। स्थानीय होने के चलते आसपास के लोगों ने मामले को शांत करा दिया था। जिसके बाद एक युवक देर रात अपने दो दोस्तों के साथ पीड़ित के घर के पास पहुंच कर गया और गोली चला कर वहां से भागने लगा। हल्ला होने के बाद आसपास के लोगों वहां इक्कठा हो गए और गोली चलाने वाले युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया।

अपडेट न्यूज

संजय झा ने मैथिली में राज्यसभा सांसद के रूप में ली शपथ

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी नेताओं में शुमार संजय झा ने राज्यसभा सांसद के रुप में शपथ ली है। संसद भवन में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के

सभापति जगदीप धनखड़ की मौजूदगी में उन्होंने 'मैथिली' में शपथ ली। इस मौके पर राज्यसभा सांसद संजय झा ने कहा कि मैथिली हमारी मातृभाषा है, जो बहुत ही मीठी भाषा है। ये हमारी संस्कृति की परिचायक है इसलिए हमने मैथिली में ही सांसद पद की शपथ ली। इसके साथ ही संजय झा ने कहा कि बिहार के विकास के लिए रोड मैप हमने सोचा हुआ है, जिसे हम अब संसद में रहकर आगे बढ़ाएंगे। इसके साथ ही संजय झा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार का पुनः आभार, जिन्होंने मुझे यह सुअवसर प्रदान किया। राज्यसभा सांसद की शपथ लेने के बाद उन्होंने कई मुद्दों पर मीडिया से बात की। पूर्णिया में जारी खींचतान पर संजय झा ने कहा कि इस मामले पर वे कुछ भी नहीं बोलना चाहते हैं। ये महागठबंधन का अंदरुनी मामला है। बिहार में 40 की 40 सीटें जीतना हमलोगों का लक्ष्य है।

आईआईटी पटना से एमटेक व पीएचडी के लिए आवेदन 21 तक

पटना। आईआईटी पटना में एमटेक व पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन 21 अप्रैल तक कर सकते हैं। गेट व अन्य स्कोर एमटेक में प्रवेश के लिए मान्य होगा। एमटेक के विभिन्न डिपार्टमेंट के 309 सीटों पर नामांकन होना है। सबसे अधिक 50 सीटें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 27 सीटें कंप्यूटर साइंस में है। सामान्य वर्ग, ईडब्ल्यूएस व ओबीसी के लिए 1000 रुपये और एससी, एसटी, दिव्यांग व महिला अभ्यर्थियों को 500 रुपये आवेदन शुल्क देना होग। पीएचडी में प्रवेश के लिए भी यही आवेदन शुल्क यही मान्य होगा। केमिकल व बायोकेमिकल इंजीनियरिंग, केमिस्ट्री, सिविल एंड एनवायरमेंट इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनयरिंग, ह्यूमैनिटी व सोशल साइंस, मैथमेटिक्स, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, मेट्रोलॉजिकल मैटेरियल इंजीनियरिंग, फिजिक्स में अलग-अलग क्षेत्र में रिसर्च कर सकते हैं।

गर्दनीबाग पेट्रोल पम्प लूटकाण्डः तीन संदिग्ध पुलिस की हिरासत में

पटना। पटना के गर्दनीबाग में बीते दिनों हुए पेट्रोल पम्प लूटकाण्ड में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन संदिग्ध लोगों को हिरासत मे लिया है। तकरीबन 33 लाख के इस लूटकाण्ड के बाद पुलिस लगातार मामले की तफतीश मे लगी हुई है। सीसीटीवी मे कैद हुई लूटेरों की तस्वीर के आधार पर पुलिस लगातार छापे मार रही है। इसी क्रम मे पटना के करबिगहिया और आसपास के इलाके से करीब तीन संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत मे लिया है। फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है। पुलिस ये भी दावा कर रही है कि लूटकाण्ड के उक्त घटना मे पाँच नहीं बल्कि आठ लोगों की संलग्नता है। हालांकि सीसीटीवी मे कुल पाँच लोग हीं नजर आए थे। जिसके संदर्भ मे पुलिस का कहना है कि कुछ ऐसे लोग भी थे जो पर्दे के पीछे से इस योजना मे संलग्न थे और दूर से रहकर हीं लूट से कुछ समय पहले तक पेट्रोल पम्प और इसके मालिक की रेकी का काम कर रहे थे। पुलिस ने ये भी बताया कि लूटकाण्ड मे इस्तेमाल हुई दोनों बाइक चोरी की थीं । गर्दनीबाग थाना के साधनापुरी में वार्ड 14 के पूर्व पार्षद अविनाश कुमार उर्फ मंटू के दफ्तर के ठीक सामने उनके ही चचेरे भाई संजय कुमार उर्फ राजन से हथियार बंद पांच अपराधियों ने करीब 33 लाख रुपए की लूट कर ली थी। घटना के दौरान बचाने आए स्थानीय व्यवसायी बिरजु कुमार उर्फ बजरंगी को बेखौफ अपराधियों ने गोली मारकर घायल कर भी कर दिया था। दरसाल बीते मंगलवार की दोपहर करीब साढ़े तीन बजे संजय चालक के साथ कार में बाईपास स्थित अपने पेट्रोल पंप आशय पेट्रोलियम से दो बैग में पैसा लेकर साधनापुरी स्थित एसबीआई की शाखा में जमा करने जा रहे थे। इसी दौरान अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया था और सरिस्तााबाद होते हुए बाईपास की तरफ फरार हो गए थे। ये पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो गई थी।

पटना में सिविल सर्जन ने सीपीआर देकर सड़क पर तड़पते मरीज की बचाई जान

पटना। पटना में गुरुवार को सड़क दुर्घटना के बाद तड़पते एक युवक को सीपीआर देकर सिविल सर्जन ने उसकी जान बचा ली। दरअसल, शहर के अटल पथ से होकर मरीन ड्राइव जाने वाली सड़क पर एक बाइक सवार युवक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे में उसका सिर फट गया और वह सड़क पर ही बेहोश हो गया। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। तभी दूसरी दिशा से वहां से गुजर रहे सिविल सर्जन मिथिलेश्वर कुमार ने भीड़ देखकर अपनी गाड़ी रुकवाई और मरीज की मदद करने के लिए आगे बढ़े। मिथिलेश्वर कुमार डिवाइडर पार कर जब मरीज के पास पहुंचे तो उन्होंने सड़क पर ही मरीज की पहले जांच की। युवक की सांसे बेहद धीमी रफ्तार से चल रही थीं, उन्होंने तुरंत ही मरीज को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रीससिटेशन) दिया। जिसके बाद उनकी हालत में थोड़ा सुधार हुआ। युवक की हालत में थोड़ी सुधार होने के बाद पुलिस की गाड़ी से उसे पीएमसीएच (पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल) भिजवाया। साथ ही, पीएमसीएच के आइसीयू में उसके दाखिले की व्यवस्था करवायी। अब घायल की स्थिति सामान्य बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार, किसी अज्ञात वाहन के धक्के के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सिलेंडर लेकर जा रहा था, करीब से मारी गोली; साथी बोला- फायरिंग की आवाज तक नहीं आई

पटना में दिनदहाड़े गैस वेंडर की हत्या से हडकंप

पटना, अमृतवर्षा सं.। राजधानी पटना में गुरुवार को दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने गैस वेंडर की गोली मारकर हत्या कर दी है। गोली चलने की आवाज भी वेंडर के साथी को सुनाई नहीं दी। पुलिस को शक है कि साइलेंसर लगी पिस्टल से गोली मारी गई है। इस मर्डर का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि वेंडर अपने एक साथी के साथ हाथ गाड़ी पर सिलेंडर लेकर जा रहा है। पीछे से एक बाइक पर दो लोग आते हैं। गाड़ी पर पीछे बैठा शख्स पास पहुंचते ही वेंडर को गोली मार देता है। घटना कंकड़बाग थाना इलाके के एलआईजी पार्क के पास की है। एएसपी स्वीटी

शेहरावत ने बताया कि एक बाइक पर सवार दो की संख्या मे आए अपराधियों ने गैस सिलेंडर सप्लाई करने वाले रंजीत राम को गोली मारी है। अपराधियों की जल्द पहचान कर ली जाएगी। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले किसी ने रंजीत से बिना पेपर के 5 सिलेंडर देने के लिए बोला था। उसके मना करने के बाद कल वो फिर से रंजीत को धमका रहे थे। हो सकता है उसी मामले को लेकर यह हत्या हुई है।

रोज की तरह सिलेंडर बांटने निकला था रंजीतः रोज की तरह रंजीत राधिका गैस गोदाम से गैस ठेला पर सिलेंडर रखकर बांटने जा रहा था। रंजीत ही एलआईओ पार्क के आसपास के इलाके में गैस सिलेंडर बांटता था। रंजीत के साथ काम करने वाले राहुल ने बताया कि मैं ठेला खींच रहा था और रंजीत पीछे चल रहा था। अचानक रंजीत गिर गया। रुक कर देखा तो रंजीत के सर से खून निकल रहा था। रंजीत के सर में गोली लगी थी। मौके पर ही रंजीत की मौत हो गई। तुरंत आसपास के लोग जुटे और पुलिस को सूचना दी गई।

बिना पेपर सिलेंडर नहीं देने पर हुआ था विवादः स्थानीय लोगों ने बताया कि ऑटो स्टैंड के पास दो दिन पहले किसी ने बिना पेपर के 5 सिलेंडर देने के लिए रंजीत से बोला था। रंजीत के माना करने के बाद कल वो फिर से रंजीत को धमका रहे थे। हो सकता है उसी मामले को लेकर यह हत्या हुई है।

रंजीत के 4 और 7 साल के 2 बच्चे हैं: रंजीत की हत्या के बाद उसके परिजनों ने सड़क पर डेड बॉडी रखकर जाम कर दिया। रंजीत के दो छोटे छोटे बच्चे हैं। एक 4 साल का बेटा और 7 साल की बेटी। परिजन अब रंजीत के बच्चों को लेकर परेशान हैं। परिजन प्रशासन से 10 लाख मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

बिहार में एनडीए 40 की 40 सीटें जीतेगी, देश के लिए नरेंद्र मोदी का पीएम बनना जरूरी हैः चिराग

पटना, अमृतवर्षा सं.

बिहार की 40 की 40 सीटें हमलोग जीतेंगे। नरेंद्र मोदी जी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना जरूरी है। आज दुनिया में भारत की लोकप्रियता बढ़ी है, इसका श्रेय प्रधानमंत्री जी को जाता है। आने वाले पांच सालों में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था भारत बनने जा रहा है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री जी को जाता है।जमुई की पावन और ऐतिहासिक धरा पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने विशाल जनसभा को संबोधित किया और एनडीए प्रत्याशी श्री अरुण भारती को जिताने की अपील की। उक्त बातें लोग जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान ने जमुई में आयोजित एनडीए की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कही। आगे श्री चिराग ने कहा कि मैंने भी प्रधानमंत्री जी के साथ मंच साझा किया। ये हमारे लिए भावनात्मक पल था, क्योंकि पिछली बार साल 2019 में जब प्रधानमंत्री जी जमुई आए थे तो मेरे नेता और पिता श्रद्धेय रामविलास पासवान जी भी मौजूद थे। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के पक्ष में बिहार की जनता से पूर्ण

समर्थन और समर्पण की अपील की थी। अब ये जिम्मेदारी मेरे कंधों पर है। मैं ये विश्वास दिलाता हूं कि बिहार की जनता 40 की 40 सीटें यशस्वी प्रधानमंत्री जी को समर्पित करने के लिए तैयार है। मैं प्रधानमंत्री जी का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने बिहार में चुनावी अभियान की शुरूआत के लिए मेरी कर्मभूमि जमुई को चुना। इसके साथ ही, मैं लाखों की संख्या में मौजूद जमुई की देवतुल्य जनता का भी आभार और धन्यवाद करता हूं।

नरेंद्र मोदी के झांसे में अब बिहार की जनता नहीं आने वाली हैः अरुण यादव

पटना, अमृतवर्षा सं.। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने जमुई में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के चुनावी जनसभा को फ्लॉप-शो बताते हुए का कि भाजपा-

एनडीए ने भीड़ जुटाने के लिए पूरी ताकत झोंकी थी फिर भी भीड़ नहीं जुटी। जमुई की चुनावी सभा में नरेंद्र मोदी जी वंशवाद और परिवारवाद पर बोलने से जिस प्रकार शर्माए इसी प्रकार आने वाले दिनों में भ्रष्टाचार पर भी बोलने से शमाएंगे। भाजपा-एनडीए बिहार में 14 लोकसभा क्षेत्रों में वैसे उम्मीदवार खड़े किए हैं जो कि राजनीतिक परिवार से हैं। मोदी जी देर से ही सही लेकिन समझते जा रहे हैं कि परिववाद और भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा सबसे ज्यादा भाजपा-एनडीए में ही है। यादव ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में नरेन्द्र मोदीं जी ने प्रत्येक वर्ष दो करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। विदेशो से कालाधन लाकर प्रत्येक परिवार के खाते में 15 -15 लाख लाख रुपया देने का वादा किया था। महंगाई कम करने का वादा किया था। किसानों की आय दोगुना करने सहित कई वायदा किया था। लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार ने विगत 10 वर्षों के शासनकाल में एक भी वायदा पूरा नहीं किया। काठ की हांडी एक बार चढ़ती है, बार बार नही चढ़ती है। मोदी सरकार से जनता का विश्वास उठ चुका है। भाजपा और नरेंद्र मोदी जी के झांसे में अब बिहार की जनता नहीं आने वाली है। बिहार का 40 का 40 सीटें इंडिया गठबंधन के झोली में देने के लिए जनता तैयार बैठी है। इस लोकसभा चुनाव में एनडीए का सूपड़ा साफ होगा।

कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की संख्या बढ़ती जा रहीः राजीव

पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी के अहंकार के कारण कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है। कांग्रेस नेताओं में असंतोष का माहौल इतना गहरा हो गया है कि हर दिन इनका कोई न कोई नेता इस्तीफा देकर पार्टी छोड़ रहे हैं। हरिद्वार और राजस्थान में कई नेताओं के सामूहिक इस्तीफे के बाद अब इनके एकलौते प्रखर प्रवक्ता गौरव वल्लभ भी पार्टी छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा है कि हालात इतने बदतर हैं कि पिछले नौ सालों में 13 पूर्व मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ गांधी परिवार के करीबी कहे जाने वाले कई नेता कांग्रेस छोड़ चुके हैं।

पटना में अवैध तरीके से 2 हजार के नोट बदलने वाले गिरोह का खुलासा, 14 गिरफ्तार

पटना, अमृतवर्षा सं.। राजधानी पटना में गुरुवार को 2 हजार रुपए के पुराने नोट बदलने के बड़े कारोबार का खुलासा हुआ है। लखनऊ आर्मी इंटेलिजेंस की टीम और लोकल पुलिस ने पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन के पास पाटलिपुत्र हेरिटेज अपार्टमेंट के फ्लैट 208 पर छापा मारा। यहां से 9.74 लाख रुपए के 2 हजार के पुराने नोट बरामद हुए हैं। फ्लैट से 14 लोगों को हिरासत में लिया गया है। आरोपियों से 2 कार और 14 मोबाइल भी जब्त किया गया है। इस कारोबार में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारियों के शामिल हैं। 25 से 50 फीसदी कमीशन पर पुराने नोट बदले जा रहे

9.7 लाख रुपए के पुराने 2 हजार के नोट बरामद, 9 करोड़ बदलने की थी योजना, आर्मी इंटेलिजेंस की सूचना पर कार्रवाई

थे। यह गिरोह पश्चिम बंगाल, ओडिशा और हरियाणा में सक्रिय था। पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ है। यहां पर नौ करोड़ रुपए के 2 हजार के पुराने नोट बदले जाने थे। हालांकि, इसके पहले ही छापा पड़ गया। हिरासत में लिए गए परवीन ने बताया की ये रुपए तारनपुर पटना के रहने वाले विपिन और सोनू नाम के व्यक्तियों का है। पुलिस उनकी भी तलाश कर रही है। बताया जा रहा है की लखनऊ आर्मी इंटेलिजेंस की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन के पास पाटलिपुत्रा हेरिटेज अपार्टमेंट में कुछ लोग दो हजार के नोट को बदलने का कारोबार कर रहे हैं। इसके बाद टीम ने रूपसपुर थाना के साथ संयुक्त रूप से अपार्टमेंट में छापेमारी की। इस दौरान एक रूम से दो हजार के पुराने नोट के 6 बंडल मिले। पुलिस और आर्मी इंटेलिजेंस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

विपक्ष के पास बिहार के विकास का एजेंडा क्या है, बताएः रविशंकर

पटना, अमृतवर्षा सं.। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि एनडीए का एजेंडा स्पष्ट है। अब तक क्या किया और क्या करेंगे हम बता रहे हैं, लेकिन विपक्ष के पास बिहार के विकास का एजेंडा क्या

है, यह उन्हें बताना चाहिए। उन्होंने लालू प्रसाद के सामाजिक न्याय को छलावा बताते हुए कहा कि बिहार में प्रमाणिक सामाजिक न्याय मोदी की अगुवाई में ही आएगा, क्योंकि हम समावेशी विकास की बात करते हैं। भाजपा मीडिया सेंटर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल गुरुवार को जमुई आने वाले हैं। उन्होंने कई बार कहा है कि बिना बिहार के विकास के देश का विकास नहीं हो सकता है।

कांग्रेस और आरजेडी को लगा बड़ा झटका

अनिल और उपेंद्र ने थामा बीजेपी का दामन

पटना, अमृतवर्षा सं.। लोकसभा चुनाव से पहले बिहार में कांग्रेस और लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा और आरजेडी नेता उपेंद्र प्रसाद ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का दामन थाम लिया। बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में अनिल शर्मा और उपेंद्र प्रसाद ने पार्टी मुख्यालय में बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। दोनों नेताओं को बीजेपी की सदस्यता दिलाने के बाद विनोद तावड़े ने दावा करते हुए कहा कि बिहार में कांग्रेस अपनी पार्टी को खुद खत्म करने पर तुली हुई है। कांग्रेस आलाकमान बिहार प्रदेश पर जिस तरह से अपने फैसले

थोप रही है, उससे कांग्रेस के नेता बिहार में दुखी हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि उपेंद्र प्रसाद अपने इलाके के मजबूत नेता हैं और इन नेताओ के आने से बीजेपी को बल मिलेगा। तावड़े ने विश्वास जताते हुए कहा कि इन नेताओं की क्षमता का सदुपयोग करते हुए पार्टी विकसित भारत की दिशा में और मजबूती से काम करेगी। वहीं बीजेपी में शामिल होने के बाद अनिल शर्मा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, दोनों ही नेता घोर साम्प्रदायिक नजरिया रखते हैं। सोनिया गांधी अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम के न्योते को ठुकरा देती हैं, लेकिन ईसाई धर्म के कार्यक्रम के लिए पार्टी के दो बड़े नेताओं को इटली भेजती हैं। इसके अलावा उपेंद्र प्रसाद ने आरजेडी प्रमुख लालू यादव पर हमला बोला। उन्होंने लालू यादव पर भ्रष्टाचार और परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली बार वह महागठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़े थे, जिसमें सबसे कम अंतर से हारने वालो में बिहार में वह तीसरे नंबर पर थे।

जमुई में उमड़े जनसैलाब को देख महागठबंधन में हताशाः प्रभाकर मिश्र

पटना, अमृतवर्षा सं.। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने कहा कि जमुई में एनडीए के घटक दल लोजपा (आर) के उम्मीदवार अरुण भारती के समर्थन में आयोजित माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की जनसभा में उमड़े जनसैलाब से महागठबंधन के नेता गहरी हताशा में हैं। उमड़े जनसैलाब ने बता दिया की एनडीए की आंधी में महागठबंधन उड़ जाएगा। लोकसभा चुनाव में महागठबंधन का कोई नामोनिशान नहीं रहेगा और बिहार की सभी 40 सीटें एनडीए की झोली में आएंगी। प्रभाकर मिश्र ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पीएम मोदी की हुंकार से भ्रष्टाचारियों में हड़कंप मच गया है। पीएम मोदी ने एलान कर दिया है कि लूटने वाले को लौटाना पड़ेगा। कोई भी भ्रष्टाचारी बख्शे नहीं जाएंगे। श्री मिश्र ने कहा कि जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ ने बता दिया है कि बिहार का मूड क्या है। बिहार की जनता लालटेन युग में फिर से जाना नहीं चाहती। बिहार के लोग बिहार का विकास चाहते हैं, इसलिए बिहार अपनी 40 सीटों के साथ केंद्र में एकबार फिर पीएम मोदी के नेतृत्व में मजबूत एनडीए सरकार बनाने का मन बना लिया है। जमुई की जनसभा में उमड़ी भीड़ ने एनडीए की प्रचंड जीत पर मुहर लगा दी है। पीएम मोदी ने जमुई जनसभा में महागठबंधन की पोल खोल दी। महागठबंधन का चाल-चलन और चरित्र को सामने ला दिया। अब बिहार के लोग किसी दुविधा में नहीं हैं। बिहार के लोगों का एक ही लक्ष्य है प्रदेश की सभी 40 सीटों एनडीए के उम्मीदवारों को जीत दिलाना।

पटना में नदी में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत, परिवार में मचा कोहराम

पटना, अमृतवर्षा सं.। गौरीचक थाना के कंसारी गांव स्थित दरधा नदी में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई। गुरुवार को स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों बच्चों के शव को बाहर निकल गया। बच्चों का शव नदी से बाहर निकलते ही पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। स्थानीय ग्रामीणों ने मुआवजा की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। इस बीच सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को मौके पर बुलाकर सहयोग राशि दिलवाई। देर रात उनकी लाश दरधा नदी से उपलाया हुआ बरामद किया गया। बच्चो के शव मिलते ही पूरे गांव में अफरा तफरी का माहौल हो गया रोने पीटने की आवाज से पूरे गांव में मातम पसरा रहा। गुरुवार की सुबह-सुबह गांव के आसपास के हजारों की संख्या में लोग जमा हो गए और हो हंगामा करते हुए प्रशासन से दोनों बच्चों के परिवारों को मुआवजा की मांग करने लगे। हो हंगामा की खबर सुनकर मौके पर गोली चल थाना पुलिस पहुंचे और लोगों को शांत कराया। वहीं दो बच्चों के डूब कर हुई मौत के बाद मौके पर राजद के प्रदेश सचिव और द्वारिक पासवान पहुंचे और पूरी जानकारी लेने के बाद प्रखंड

विकास पदाधिकारी को सूचना दिया। प्रखंड विकास पदाधिकारी पहुंचे और मृतक के परिवारों को तत्काल 20-20 हजार रुपए बतौर मुआवजा उपलब्ध कराया। वहीं बच्चों के डूब कर मरने की घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक गोपाल रविदास भी पहुंचे और शोक संतप्त परिवार वालों को सांत्वना दिया। विधायक ने आश्वासन दिया है कि सरकार के नियम अनुसार चार-चार लाख रुपया के मुआवजा भी दिलाया जाएगा। गाँव वालों के मुताबिक जनार्दन बिन्द का बेटा रजनीश कुमार उम्र 14 साल और भोली बिन्द का बेटा सूरज कुमार उम्र 11 साल दोनों आपस में चचेरे भाई हैं। गांव के लोगों ने बताया कि बुधवार को परिवार के लोग प्याज के खेतों में काम करने गए थे। इधर दोनों बच्चे परिवार वालों से छुप कर दरधा नदी में नहाने चले गए जहां उनकी डूबकर मौत हो गई।

पटना पहुंचते ही पप्पू पर भड़के प्रदेश अध्यक्ष, बोले

जो सीटें हमें मिली, हम केवल वही चुनाव लड़ेंगे

पटना, अमृतवर्षा सं.। लोकसभा चुनाव को लेकर दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने का गुरुवार को अंतिम दिन था। ऐसे में पिछले दिनों कांग्रेस में अपनी पार्टी (जाप) का विलय करने वाले पप्पू यादव ने पूर्णिया लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। जबकि, गठबंधन के तहत सीट बंटवारे के फामूर्ले के तहत यह सीट राजद के खाते में हैं और वहां से पार्टी ने बीमा भारती को अपना कैंडिडेट बनाया है। इसके बावजूद पप्पू यादव ने गुरुवार को दूसरे चरण के नामांकन के अंतिम दिन अपना नामांकन कर दिया। ऐसे में अब इस पूरे मामले में बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने अपनी सफाई दी है और कहा कि पार्टी ने पप्पू यादव को नामांकन की इजाजत नहीं दी है। पटना एअरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए अखिलेश सिंह ने कहा कि जब सीट बंटवारे का फामूर्ला पार्टी

आलाकामान ने तय कर दिया है। औरंगाबाद से निखिल कुमार उम्मीदवार थे, लेकिन उन्होंने नामांकन नहीं किया। ऐसे में जो सीट कांग्रेस को मिली है, उसके बाहर नामांकन करने की इजाजत किसी को नहीं है। इससे अधिक इस मामले में कुछ नहीं कहा जा सकता है।

बीमा भारती ही गठबंधन की साझा प्रत्याशी, एक-एक वर्कर उनके लिए प्रचार करेगा :राठौर

वहीं, बिहार कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौर ने पप्पू यादव के पूर्णिया से नामांकन को लेकर कहा कि वह कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार नहीं हैं। कांग्रेस के कोटे में जो 9 सीटें आई हैं, उसमें पूर्णिया शामिल नहीं है। बीमा भारती ही इंडिया गठबंधन की साझा प्रत्याशी हैं, इसलिए कांग्रेस पार्टी का एक-एक वर्कर बीमा भारती को जिताएगा। इसके साथ ही पप्पू यादव बुलेट चलाकर नॉमिनेशन के लिए पहुंचे और वहां उन्होंने कहा कि मैं परेशान जरूर हुआ हूं, मगर हिम्मत बरकरार है। कांग्रेस परिवार मेरे साथ है और मैं कांग्रेस के साथ खड़ा रहूंगा। देश और पूर्णिया की जनता के लिए मैं चुनाव लड़ रहा हूं। जनता के आशीर्वाद से मेरी जीत होगी। विगत 20 मार्च को अपनी पार्टी जाप का कांग्रेस में विलय कर पप्पू यादव ने सभी को चौंकाया था। विलय के बाद से ही ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि कांग्रेस की पारंपरिक सीट रही पूर्णिया लोकसभा सीट कांग्रेस के खाते में जाएगी। जिसके बाद पप्पू यादव ने पूर्णिया लोकसभा सीट के लिए कांग्रेस में अपनी दावेदारी पेश कर दी।

पूर्णिया में गठबंधन धर्म के तहत राजद का प्रचार करेगी कांग्रेसः शकील

पटना। कांग्रेस ने पूर्णिया सीट को लेकर अपना स्टैंड क्लियर कर दिया है। पार्टी के विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने कहा कि गठबंधन धर्म के तहत कांग्रेस पूर्णिया में आरजेडी के सिंबल पर लड़नेवाले कैंडिडेट का समर्थन करेगी। शकील अहमद ने ये भी कहा कि फिलहाल पप्पू यादव के खिलाफ कार्रवाई जैसी कोई बात नहीं है, समय आने पर देखा जाएगा। बिहार में कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने कहा कि महागठबंधन में बिहार की सभी 40 सीटों को लेकर बंटवारा हो चुका है और इस बंटवारे के तहत जिस पार्टी को जो-जो सीट मिली है उन सभी सीटों पर कांग्रेस उन उम्मीदवारों के साथ है।

संपादकीय

अमृतवर्षा संपादकीय

असली भारत की हकीकत को पहचानने की कोशिश की

कांग्रेस पार्टी और उत्तर प्रदेश भारतीय राजनीति में एक–दूसरे के पर्याय समझे जाते रहे हैं क्योंकि स्वतन्त्रता संग्राम के महानायक पं. जवाहर लाल नेहरू से लेकर देश की सर्वाधिक शक्तिशाली मानी जाने वाली उनकी पुत्री प्रधानमन्त्री इन्दिरा गांधी का यह प्रदेश कर्म स्थल रहा है। पं. नेहरू ने तो इंग्लैंड से भारत आने के बाद सर्वप्रथम इलाहाबाद से ही अपना राजनैतिक जीवन शुरू किया और आसपास के गांवों का गहन दौरा करके उन्होंने असली भारत की हकीकत को पहचानने की कोशिश की। इसी प्रकार जनवरी 1966 में बतौर राज्यसभा सदस्य प्रधानमन्त्री बनने के बाद श्रीमती इन्दिरा गांधी ने 1967 का अपना पहला लोकसभा चुनाव राज्य की रायबरेली सीट से लड़ा। इतना ही नहीं 1971 में जब इन्दिरा जी के छोटे बेटे संजय गांधी राजनीति में आये तो उन्होंने अपना पहला चुनाव 1977 में राज्य की अमेठी लोकसभा सीट से लड़ा। हालांकि वह इसमें इमरजेंसी के चुनावी प्रभाव के चलते असफल रहे परन्तु जब 1982 में उनके बड़े भाई राजीव गांधी राजनीति में आये तो उन्होंने भी अमेठी व आसपास के सुल्तानपुर आदि इलाकों को ही अपनी कर्मभूमि बनाना उचित समझा। इन्दिरा जी व उनके पुत्र राजीव गांधी की निर्मम हत्याओं के बाद जब गांधी परिवार की बड़ी बहू श्रीमती सोनिया गांधी ने राजनीति में चरण रखा तो उन्होंने 1998 का पहला चुनाव रायबरेली से लड़ा। जहां तक नेहरू जी का सवाल है तो वह इलाहाबाद के निकट की सीट फूलपुर से चुनाव लड़ा करते थे।

1964 में उनकी मृत्यु होने के बाद इस सीट का प्रतिनिधित्व 1967 में उनकी बहन श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित ने किया। मगर 1970 में इन्दिरा गांधी से मनमुटाव हो जाने के बाद उन्होंने इस सीट से इस्तीफा दे दिया। इसी प्रकार नेहरू–गांधी परिवार की तरफ से जब श्री राहुल गांधी ने पदार्पण किया तो उन्होंने अपना पहला चुनाव 2004 में अमेठी से लड़ा और 2019 तक इसी सीट से लड़ते रहे मगर इस बार उनकी पराजय हो गई । संयोग से उन्होंने 2019 में केरल की वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ा था जहां से वह लोकसभा में पहुंचे। आगामी लोकसभा चुनावों में कांग्रेस उत्तर प्रदेश की केवल 17 सीटों से ही चुनाव लड़ रही है। राज्य की कुल 80 सीटों में से शेष सीटें उसने अपने इंडिया गठबन्धन की सहयोगी पार्टी समाजवादी पार्टी के लिए छोड़ दी हैं। कांग्रेस के खाते में 17 सीटों में अमेठी व रायबरेली सीटें भी आयी हैं। इन सीटों पर मतदान पांचवें चरण में 20 मई को होना है। 3 मई नामांकन पत्र भरे जाने का अन्तिम दिन है। अतः कहा जा सकता है कि अभी पर्याप्त समय है मगर पार्टी ने सातवें व अन्तिम चरण में होने वाले मतदान की सीटों जैसे महाराजगंज आदि पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। अतः राजनैतिक क्षेत्रों में जिज्ञासा है कि क्या अमेठी व रायबरेली सीटों पर गांधी परिवार का कोई सदस्य चुनाव लड़ेगा अथवा नहीं।

यह सावाल पूरी तरह वाजिब है क्योंकि उत्तर प्रदेश को गांधी परिवार हल्के में नहीं ले सकता है क्योंकि इस परिवार की पूरी विरासत में उत्तर प्रदेश की मिट्टी की गंध रमी हुई है। पहले सुना जा रहा था कि राहुल गांधी की बहन श्रीमती प्रियंका गांधी रायबरेली से चुनाव लह सकती हैं क्योंकि उनकी मताश्री सोनिया गांधी इस बार लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ रहीं। वह राजस्थान से राज्यसभा की सदस्य निर्वाचित हो चुकी हैं।

कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार

रूस पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों से इस बात की आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत को रूसी तेल की बिक्री कम हो सकती है, जो समुद्र के द्वारा ट्रांसपोर्ट किए जाने वाले रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। पहले ऐसा डर जताया गया था कि रूसी टैंकर समूह पर लगे प्रतिबंध के कारण भारत को तेल आयात करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। पश्चिमी देशों की कोई भी टैंकर कम्पनी रूसी तेल को नहीं ढोएगी। वहीं, तीसरे देशों की कम्पनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के डर से रूसी तेल को ट्रांसपोर्ट नहीं करेंगी। अगर कोई कम्पनी तैयार भी हुई तो वह ज्यादा भाड़ा वसूल करेगी जिससे भारत को रूस से तेल की खरीद में ज्यादा मुनाफा नहीं होगा। अगर ऐसा होता है तो भारत को तेल की खरीद के लिए किसी और देश का रुख करना होगा। हालांकि, यह चिंता बेकार साबित हुई और भारत लगातार रूस से तेल का आयात कर रहा है।

अमेरिका ने यूक्रेन पर रूस के हमले की दूसरी वर्षगांठ मनाने और विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की मौत का बदला लेने के लिए फरवरी में प्रतिबंधों का ऐलान किया था। अमेरिकी प्रतिबंधों के निशाने पर रूस का प्रमुख टैंकर समूह सोवकॉम्फ्लोट था। अमेरिका ने इस रूसी टैंकर समूह पर रूसी तेल पर जी–7 की मूल्य सीमा का उल्लंघन करने में शामिल होने का आरोप लगाया था। सोवकॉम्फ्लोट के पास 14 कच्चे तेल टैंकर का बेड़ा है। अमेरिका को उम्मीद थी कि रूसी टैंकरों पर लगे प्रतिबंध से उसके तेल निर्यात पर प्रभाव पड़ेगा लेकिन भारत ने न तो पहले अमेरिकी और उसके पिट्ठू देशों के प्रतिबंधों की परवाह की है और न ही नए प्रतिबंधों से डरा है। मार्च महीने में भारत का रूस से तेल आयात 6 प्रतिशत बढ़ गया है। तेल से भरे रूसी टैंकर भारतीय बंदरगाहों पर पहले की तरह पहुंच रहे हैं। इससे पहले भारतीय तेल कम्पनियों ने कहा था कि वे रूस से तेल के आयात में अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित कम्पनी के टैंकरों का इस्तेमाल नहीं करेंगे लेकिन अब भारतीय कम्पनियों ने अमेरिकी प्रतिबंधों की धज्जियां उड़ा दी हैं। इससे साफ है कि भारत अपने हितों की रक्षा अच्छी तरह से कर रहा है। फरवरी 2022 में यूक्रेन–रूस जंग शुरू होने पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए तो यूरोपीय देशों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया। अमेरिका ने भारत पर भी रूस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए बहुत दबाव बनाया। किसी दबाव में न आते हुए भारत ने कूटनीति से काम लिया। भारत ने दो टूक शब्दों में अपने हितों का हवाला देकर रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखने का फैसला किया। रूस ने भी भारत को सस्ता तेल देने की पेशकश की और भारत ने इसका पूरा लाभ उठाया। भारत को 60 डॉलर से भी कम मूल्य पर रूस से तेल हासिल हुआ। भारत पहले इराक से सबसे ज्यादा तेल खरीदता था लेकिन अब इराक को पछाड़ कर रूस सबसे बड़ा देश बन गया है। सस्ता तेल मिलने से भारतीय रिफाइनरियों को बहुत लाभ हुआ। भारतीय रिफाइनरियों ने यूरोपीय बाजार के बड़े हिस्से पर कब्जा कर ? लिया। हुआ यूं कि जिस यूरोपीय कम्पनियों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे उन्हीं देशों को भारत ने तेल का निर्यात किया।

संस्थापक संपादकः स्व. पारसनाथ तिवारी

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक रीता तिवारी द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर, सेक्टर–4 बहादुरपुर, पीओ–बीएच कॉलोनी, अगमकुंआ, पटना–26 से मुद्रित व पंत भवन, पं जवाहरलाल नेहरू मार्ग, पटना–1 पोस्ट बॉक्स नं. 212 जी.पी.ओ., पटना–1 दूरभाष– 9905463571, 8757425017, धनबाद

कार्यालयः मास्टर पाड़ा जे.सी. मल्लिक रोड, हीरापुर, धनबाद दूरभाष– 2204991, दिल्ली कार्यालयः बी–49, जैन मंदिर गली, शकरपुर मेन मार्केट, दिल्ली–110092, फोन नं.– 011–22055208, आर.एन.आई नं. 44420/87

ईमेलः amritvarshanews2015@gmail.com

सोमवती अमावस्या पर दान पुण्य करने से मिलता है अक्षय पुण्य

सोमवार 8 अप्रैल को चैत्र मास की अमावस्या है। सोमवार को अमावस्या होने से इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। गरुड़ पुराण में बताया गया है कि सोमवती अमावस्या की तिथि पर पितरों का तर्पण करना बहुत शुभ होता है। इस दिन पितरों को तर्पण करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार सोमवती अमावस्या 8 अप्रैल को तड़के 3:11 बजे शुरू होगी और 8 अप्रैल को ही रात 11:50 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के कारण सोमवती अमावस्या 8 अप्रैल को मनाई जाएगी। अमावस्या तिथि जब सोमवार के दिन आती है। तब इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। सोमवती अमावस्या की तिथि पर दुर्लभ इंद्र योग बन रहा है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन में चल रही परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का बेहद महत्व है। इस दिन व्रत, पूजन और पवित्र नदियों में स्नान का भी विशेष महत्व है। महिलाएं सोमवती अमावस्या के दिन पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। पितृ दोष निवारण के लिए दिन अत्यंत शुभ माना गया है। इस अमावस्या पर किए गए दान–पुण्य और तीर्थ स्नान से अक्षय पुण्य मिलता है। मन शांत होता है और नकारात्मक विचार दूर होते हैं। इस तिथि पर अपने–अपने क्षेत्रों की पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए और क्षेत्र के पौराणिक महत्व वाले तीर्थों के, मंदिरों के दर्शन करना चाहिए। पूजा–पाठ आदि शुभ काम करना चाहिए। ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि अगर हम किसी नदी में स्नान करने नहीं जा पाते हैं तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाएं और तीर्थों का ध्यान करते हुए स्नान करें। सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें और सूर्यदेव को चढ़ाएं। ऐसा करने से भी तीर्थ और नदी स्नान के बराबर पुण्य मिल सकता है। स्नान के बाद जरूरतमंद लोगों को अनाज और गोशाला में धन, हरी घास का दान करें। अमावस्या पर पितरों के लिए धूप–ध्यान करें। घर में दोपहर करीब 12 बजे गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और उसके अंगारों पर गुड़–घी डालें। पितरों का ध्यान करें। हथेली में जल लें और अंगूठे की ओर से पितरों को अर्घ्य अर्पित करें। किसी शिव मंदिर में दीपक जलाएं, शिवलिंग पर जल चढ़ाते हुए ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें। इंद्र योगः ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि कई वर्षों के बाद चैत्र अमावस्या पर दुर्लभ और शुभ इंद्र योग बन रहा है। इस योग शाम 06:14 बजे तक रहेगा।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का बेहद महत्व है। इस दिन व्रत, पूजन और पवित्र नदियों में स्नान का भी विशेष महत्व है। महिलाएं सोमवती अमावस्या के दिन पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। पितृ दोष निवारण के लिए दिन अत्यंत शुभ माना गया है

इस योग में पूजा–पाठ और शुभ कार्य किए जा सकते हैं। शिव वासः ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि सोमवती अमावस्या पर भगवान शिव आदिशक्ति मां पार्वती संग रात 11:50 बजे तक साथ रहेंगे। इस दौरान भगवान शिव की पूजा की जाए तो हर मनोकामना पूरी होती है। शास्त्रों में बताया गया है कि जब भगवान शिव माता पार्वती के साथ हों, तो रुद्राभिषेक करने से कई गुना फल प्राप्त होता है।

सोमवती अमावस्या
8 अप्रैल को तड़के 3.21 बजे शुरू
8 अप्रैल को ही रात 11.50 बजे समाप्त

गंगाजल से स्नानः भविष्यवक्ता अनीष व्यास ने बताया कि इस दिन गंगाजी या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करना बहुत पुण्यकारी माना गया है। स्नान का उत्तम समय सूर्योदय से पूर्व माना जाता है। मान्यता है कि सोमवती अमावस्या पर विधिवत स्नान करने से भगवान विष्णु की कृपा हमेशा बनी रहती है। यदि आप नदियों में स्नान करने नहीं जा सकते तो आप घर में ही थोड़ा सा गंगाजल नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करें। मान्यता यह भी है कि इस दिन विधिवत स्नान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। चैत्र अमावस्या होता है हिन्दू वर्ष का अंतिम दिनः कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि चैत्र अमावस्या विक्रम संवंत वर्ष का अंतिम दिन होता है।

विक्रम संवंत को आम भाषा में हिन्दू कैलेंडर के नाम से भी जाना जाता है। चैत्र अमावस्या तिथि की समाप्ति के बाद चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि आती है जो हिन्दू वर्ष का पहला दिन होता है। कहते हैं चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही ब्रह्मा जी ने इस सृष्टि की रचना की थी। नवरात्र भी हिन्दू नवर्ष की पहली तिथि से प्रारंभ होता है।

अमावस्या का ज्योतिषीय महत्वः भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि अमावस्या तिथि के दिन सूर्य और चंद्रमा एक ही राशि में होते हैं। जहां सूर्य आग्नेय तत्व को दशार्ता है तो वहीं चंद्रमा शीतलता का प्रतीक है। सूर्य के प्रभाव में आकर चंद्रमा का प्रभाव शून्य हो जाता है। इसलिए मन को एकाग्रचित करने का यह कारगर दिन होता है। इसलिए अमावस्या का दिन आध्यात्मिक चिंतन के लिए श्रेष्ठ होता है। अमावस्या को जन्म लेने वाले की कुंडली में चंद्र दोष होता है। सूर्य को प्रदान करें अर्घ्यः कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि पदमपुराण के अनुसार पूजा, तपस्या, यज्ञ आदि से भी श्री हरि को उतनी प्रसन्नता नहीं होती, जितनी कि प्रातः स्नान कर जगत को प्रकाश देने वाले भगवान सूर्य को अर्घ्य देने से होती है। इसलिए पूर्व जन्म और इस जन्म के सभी पापों से मुक्ति और भगवान सूर्य नारायण की कृपा प्राप्त करने के लिए प्रत्येक मनुष्य को नियमित सूर्य मंत्र का उच्चारण करते हुए सूर्य को अर्घ्य अवश्य प्रदान करना चाहिए।

पीपल के वृक्ष में पितरों का वासः भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेष्रक अनीष व्यास ने बताया कि माना जाता है कि अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। इस दिन पीपल और भगवान विष्णु का पूजन किया जाए तो सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। लक्ष्मी जी की कृपा पाने के लिए इस दिन मीठे जल में दूध मिलाकर चढ़ाएं, क्योंकि इस दिन पीपल के पेड़ पर मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। पूजन के बाद पीपल की यथा शक्ति परिक्रमा करके जीवन में आने वाली सभी समस्याएं खत्म होने के लिए प्रार्थना करें। दान करने से मिलेगा पुण्यः कुण्डली विश्लेष्रक अनीष व्यास ने बताया कि इस दिन अन्न, दूध, फल, चावल, तिल और आवंले का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। गरीबों, साधु, महात्मा तथा ब्राह्मणों को भोजन करवाना चाहिए। स्नान– दान आदि के अलावा इस दिन पितरों का तर्पण करने से परिवार पर पितरों की कृपा बनी रहती है।

पितरों को करें प्रसन्नः भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि सोमवती अमावस्या के दिन पितरों के नाम जल में तिल डालकर दक्षिण दिशा में तर्पण करें। अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित होती है। ऐसे में इस दिन तर्पण करने से पितरों को तृप्ति मिलती है और वे आशीर्वाद देते हैं। अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष की पूजा करें। दूध चढ़ाएं और सात बार परिक्रमा लगाएं। पीपल के नीचे दीपक जलाएं। ऐसा करने से परिवार में खुशहाली आती है। सोमवती अमावस्या के दिन भगवान विष्णु की पूजा करें। इस दिन पितरों के निमित्त गीता के सातवें अध्याय का पाठ करना चाहिए। पितरों का ध्यान करते हुए सोमवती अमावस्या के दिन दान करें। सोमवती अमावस्या के दिन पीपल का एक पौधा लगाएं। ऐसा करने से पितर खुश होते हैं। वह आर्थिक स्थिति सुधरती है। करें उपायः भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि अमावस्या के दिन तिल को आटे में मिलाकर रोटी बनाए और गाय को खिलाएं। इससे घर में सुख–शांति आएगी। अमावस्या के दिन स्नान के बाद आटे की गोलियां बनाएं। इस गोलियों को मछलियों को खिलाएं। इस उपाय से कई परेशानियां दूर होती हैं।

अमावस्या के दिन पितरों का ध्यान करते हुए जरूरतमंद या गरीब को दान करें। अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त गीता का सातवां अध्याय का पाठ करें। अमावस्या के दिन जल में तिल मिलाकर उसे दक्षिण दिशा की ओर तर्पण करें। ऐसा करने से पितर आशीर्वाद देते हैं। अमावस्या के दिन दूध में अपनी छाया देखें। इस दूध को काले कुत्ते को पिलाएं। इससे मानसिक तनाव दूर होता है। अमावस्या के दिन शाम के समय ईशान कोण में दीपक जलाएं। बत्ती के लिए लाल रंग के धाते का इस्तेमाल करें। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है। अमावस्या के चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। इससे सभी मनोकामनाएं पूरी होती है।

वोट में तब्दील होने वाले मुद्दों की तलाश बड़ी चुनौती

18 वीं लोकसभा के चुनावों का बिगुल बज चुका हैं वहीं पहले चरण की 102 सीटों के लिए नामांकन का कार्य पूरा होने के साथ ही एनडीए ने 31 मार्च को मेरठ और इंडी गठबंधन ने नई दिल्ली से चुनावी केंपेन का आगाज कर दिया है। लोकसभा के सातों चरणों के मतदान तक राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव रैलियों, रोड़ शो सहित विभिन्न मंचों से एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा। सौ टके का सवाल यह है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में चुनाव अभियान के दौरान आखिर मुख्य मुद्दे क्या बनेंगे ? हाल ही पांच विधान सभा चुनावों के दौरान गांरटियों की खूब चचाएं रही। एक तरफ गांरटियां थी तो दूसरी और बीजेपी ने मोदी को ही गारंटी बताकर प्रचारित किया। दरअसल देखा जाएं तो पिछले कुछ चुनावों से चाहे वे लोकसभा के हो या विधानसभाओं के चुनाव हो, सीधे जनता से जुड़े मुद्दें तो कहीं नेपथ्य में ही रह जाते हैं। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि जनता से जुड़े मुद्दों को आमजनता भी अब मुद्दे या चुनावी एजेंडा नहीं मानने लगी है। इसका कारण भी कुछ और ही होता जा रहा है। किसी जमाने में गरीबी हटाओं या भ्रष्टाचार मिटाओं या महंगाई या बेरोजगारी तो सकारात्मक प्रचार अभियान में विकास की बात आदि मुद्दे महत्वपूर्ण होते थे पर अब देखा जाए तो यह मुद्दे वोट में तब्दील नहीं हो पा रहे हैं। पिछले चुनावों के अनुभव हमारे सामने हैं। दर असल अब नकारात्मक प्रचार राजनीतिक दलों पर उलटा पड़ने लगा है।

पिछले दो लोकसभा के चुनावों में चौकीदार, सेना के साक्ष्य, चाय वाला आदि ऐसे वक्तव्य रहे जिसका जितना अधिक उपयोग हुआ वह भाजपा और नरेन्द्र मोदी के पक्ष में ही गया। दरअसल अब वोट विश्वसनीयता यानी की भरोसे और वोल्डनेस पर पड़ने लगे हैं। एक बात यह भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि आजादी के 75 साल बाद भी किसी दल का वोट प्रतिषत 50 प्रतिशत का आंकड़ा छू नहीं पाया है। दूसरी और चुनाव आयोग द्वारा लाख प्रयासों के बाद भी 100 में से 33 प्रतिशत मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर मतदान के लिए ले जाने में हम सफल नहीं हो पा रहे हैं। खैर यह अलग विचारणीय मुद्दे हैं।

विपक्ष के प्रयास है कि सत्तारुढ़ द्वारा संबैधानिक संस्थाओं यथा ईडी, आईटी आदि जांच एजेंसियों का हथियार के रुप में उपयोग, चुनावी बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि को प्रभावी तरीके से चुनावी मुद्दा बनाया जाये पर अभी तक जो दिखाई दे रहा है उसमें साफ है कि यह मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मुद्दे बन नहीं पा रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण तो विपक्षी खासतौर से इंडी के दलों का जुड़ना बिखरना जारी है। एक तरफ ममता

विपक्ष के प्रयास है कि सत्तारुढ़ द्वारा संबैधानिक संस्थाओं यथा ईडी, आईटी आदि जांच एजेंसियों का हथियार के रुप में उपयोग, चुनावी बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि को प्रभावी तरीके से चुनावी मुद्दा बनाया जाये पर अभी तक जो दिखाई दे रहा है उसमें साफ है कि यह मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मुद्दे बन नहीं पा रहे हैं

पं.बगांल में कांग्रेस द्वारा वामपंथी दलों के साथ तालमेल कर चुनाव लड़ने को खुले आम भाजपा को लाभ बताने वाला निर्णय बता रही हैं वहीं बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली में कांग्रेस का छोटे पार्टनर के रुप में सामने आने, पंजाब में आप से सीटों के बंटवारें को लेकर समझौता ही नहीं होने, बसपा का अलग रुख, अजित जनता दल का बीजेपी के साथ आना, ओडीसा में बीजद सहित विरोधाभास सामने आ रहे हैं। वहीं दिल्ली की रैली से साफ हो जाता है कि विपक्ष का जो पैनापन होना चाहिए था वह लगभग असरदार नहीं दिखा। चुनावी बॉण्ड का मुद्दा जिस तरह से उछला वह अपनी धार नहीं दिखा पाया क्योंकि चुनावी चंदा सभी ने लिया चाहे वो कम हो या ज्यादा। दूसरी बात आमजन का यह सोच माना जा सकता है कि सभी राजनीतिक दल चुनावी चंदा लेते हैं और साफ है कि इसका फायदा सत्तारुढ़ दल को अधिक ही मिलता है। चंदा देने वाला अपने निहितार्थ देखता है और यही कारण है कि वह सत्तारुढ़ दल को अधिक चंदा देता है। इसलिए जिस तरह से यह बड़ा मुद्दा बनने की संभावना देखी जा रही थी वह कहीं पीछे ही रह गई। इसी तरह से केजरीवाल सहित आप नेताओं पर ईडी छापों और जेल का मुद्दा भी अधिक असर दिखाता नहीं लग रहा। इसका कारण भी साफ है कि केजरीवाल जो भ्रष्टाचार के खिलाफ ही सत्ता में आये थे पहलीबात तो उनके नेताओं पर शराब

ठेकों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे, दूसरी और बार बार सम्मन आने पर भी रेस्पांस नहीं करने और गिरफ्तारी के बाद भी पद पर बने रहने का आमजन में अभी तो नकारात्मक असर ही दिखाई दे रहा है। इस मामलें में लोग लालू की बड़ाई करने लगे हैं कि लालू ने गिरफ्तार होते ही अपना पद त्याग दिया और भले ही राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया पर पद की गरिमा को तो बनाये रखा। केजरीवाल द्वारा बार बार सम्मन की अवहेलना करने और त्यागपत्र नहीं देने से लोगों में केजरीवाल के पदलोलुपता का संदेश गया अन्यथा निश्चित रुप से केजरीवाल के प्रति सहानुभूति होती और इसका लाभ समस्त विपक्ष को मिलता पर लगता है एक अच्छा अवसर खो दिया गया है। अब सवाल महंगाई को लेकर आता है तो महंगाई किसी जमाने में अपना असर दिखाती थी और प्याज के भाव बढ़ने के कारण सरकार को जाते हुए हमनें देखा है पर लगता है अब यह मुद्दा भी कुंद पड़ता जा रहा है। इसका कारण है बेरोजगारी और मंहगाई को जिस तरह से विपक्ष को चुनावी इशु बनाना चाहिए था उसमें वह सफल नहीं हो पा रही हैं।इस चुनाव में किसानों का मुद्दा तो अभी तक दिखाई ही नहीं दे रहा।

एक बात और चुनाव घोषणा पत्रों में मुफ्त की सुविधाओं की भरमार भी अब लोगों को अधिक लुभाने वाली नहीं लगती। कारण साफ है इससे एक और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष कर देने वाला अपने को ठगा समझने लगा है, वहीं लाभार्थी इसे राजनीतिक दलों की कमजोरी समझने लगा है। चुनावी बॉण्ड भी इसलिए अधिक बड़ा मुद्दा नहीं बन पा रहा कि कमोबेस सभी दलों को चंदा मिला है। किसी ने भी इस तरह से चंदा लेने से ना नहीं किया। दूसरी और जहां तक आमआदमी का प्रश्न है वह जानता है कि चुनावी चंदा देने वाले पैसे वाले प्रभावशील लोग हैं। आमआदमी तो इतना चंदा देने से रहा। यह भी जानते हैं कि चुनावों के लिए चंदा लिया ही जाता है। दूसरी और मजे की बात यह है कि चंदा पैसों वालों से लेने के बावजूद आममतदाताओं को साधनें में सत्तारुढ़ दल सफल रहा है। साफ है कि चंदा देने वालों के वोट गिनती के ही होते हैं।

साफ है कि 18 वीं लोकसभा के चुनाव प्रचार अभियान में संवैधानिक संस्थाओं के उपयोग, चुनाव बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि मुद्दें अधिक चलने वाले नहीं हैं। राम मंदिर, धारा 370 या इसी तरह के अन्य मुद्दों को विपक्ष उठाता भी है तो इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को ही मिलेगा। ऐसे में विपक्ष को चुनावी वैतरणी पार करने के लिए कोई ठोस मुद्दें खोजने होंगे। हवा हवाई या चलताउ भाषणों, आरोप प्रत्यारोप से पार पाना मुश्किल रहेगा। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि इस बार के चुनाव दस नेताओं के इर्द गिर्द रहेंगे इनमें नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी, खड़गे, शरद पंवार, ममता बनर्जी, नीतिश कुमार, तेजस्वी यादव, स्टालीन, असदुद्दिन ओवैसी आदि दशा और दिशा तय कर पायेंगे। पर मेरा मानना है कि 18 वीं लोकसभा के चुनाव नरेन्द्र मोदी के इर्द गिर्द ही रहने वाला है। विपक्ष का निशाना नरेन्द्र मोदी ही रहेंगे और इसका उजला या स्याह पक्ष यह है कि विपक्ष जितना अधिक नरेन्द्र मोदी के नाम का उच्चारण करेगा उसका उतना ही अधिक लाभ नरेन्द्र मोदी और भाजपा को मिलेगा। पिछले दो लोकसभा के चुनाव परिणाम तो यही बताते हैं। ऐसे में विपक्ष को अलग ही तरह की रणनीति बनानी होगी।

विपक्ष को सकारात्मक रणनीति बनानी होगी अन्यथा नकारात्मकता को तो नरेन्द्र मोदी को अपने पक्ष में करने की महारत हैं। लोक सभा के पिछले दो चुनाव और गत दस सालों के विधानसभाओं के चुनावों के परिणाम सबके सामने हैं ऐसे में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा को घेरने की है और इसके लिए उसे पूर्व अनुभवों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी रणनीति बनानी होगी। रैलियों, सभाओं में प्रमुख नेताओं को भाषणों–वक्तव्यों के दौरान सावधानी बरतनी होगी तभी मोदी जी से पार पाया जा सकता है। यह साफ साफ समझ लेना होगा। इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है कि मोदी जी विपक्षी नेताओं द्वारा कही गई बात को तत्काल अपने पक्ष में भुनाने में सिद्धहस्त है, ऐसे में विपक्ष के सामने प्रमुख चुनौती चुनाव अभियान के दौरान अपनों के बीच समन्वय व समझ बनाये रखनी है तो जनमानस को प्रभावित करने की रहेगी तो मोल तोल के बोल पर भी अधिक ध्यान देना होगा।

मोदी ने श्रीलंका से मांग दी जमीन, कच्चाथीवू की बात सुनकर भड़का पड़ोसी

लोकसभा चुनाव से पहले कच्चाथीवू द्वीप को लेकर आरटीआई जवाब से भारत और खासकर तमिलनाडु की सियासत गर्मा गई। सालों पहले कच्चाथीवू द्वीप को श्रीलंका को दिए जाने को मुद्दा बनाते हुए बीजेपी ने कांग्रेस और डीएमके के खिलाफ हमला किया। 1974 में भारत की तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी और श्रीलंका के राष्ट्रपति भंडारानायके के बीच द्वीप को लेकर समझौता हुआ। जून 1974 में दोनों देशों के बीच दो दौर की बाचचीत के बाद कुछ शर्तों पर सहमति बनी। ये द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया। श्रीलंका के अखबार डेली मिरर ने अपने संपादकीय लेख में इस मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मेरठ की रैली में भारत के पीएम मोदी को अचानक पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा श्रीलंका के साथ किए गए समझौते में गलती नजर आ गई। ये समय भारत में चुनाव का है। भाजपा भारत के दक्षिण राज्य तमिलनाडु में कभी भी सत्ता में नहीं आई। अखबार ने कहा कि अफसोस की बात है कि अपनी सूझ बूझ के लिए मशहूर भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने भी राजनयिक होने का दिखावा करना छोड़ दिया है और तमिलनाडु में भी कुछ वोट हासिल करने की उम्मीद में पीएम की बातों में हां में हां मिला रहे हैं। कच्चाथीवू खोलेगा दक्षिण में बीजेपी की संभावनाओं के द्वार : भारत और श्रीलंका के बीच पाक खाड़ी में एक मील लंबा, निर्जन, बंजर स्थान, जिसे मानचित्र पर ढूंढना मुश्किल है, आम चुनावों से पहले घरेलू राजनीति में ये फ्लैशप्वाइंट बन गया है। जोरदार राजनीतिक बयानबाजी और सार्वजनिक रुख के बीच, कच्चाथीवू द्वीप विवाद पहले ही तीन उल्लेखनीय उद्देश्यों को पूरा कर चुका है। एक, इसने कांग्रेस को सत्ता में एक ऐसी पार्टी के रूप में दिखाया है जो ऐतिहासिक रूप से क्षेत्रीय अखंडता के मामलों पर कम गंभीर रही है। दो, इसने भारतीय गठबंधन के सदस्य द्रमुक की स्थानीय भावनाओं को भुनाने और कच्चातिवू पर अपनी ऐतिहासिक भूमिका को छिपाते हुए 'उत्तर–दक्षिण विभाजन' की राजनीति को एक्सपोज किया है और तीसरा, इसने भाजपा को आगे बढ़ने के लिए एक मुद्दा दिया है। वह राज्य जहां वह सीमित सफलता के साथ विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। कच्चातिवू में अभी भी एक चौथा आयाम हो सकता है, जो कि भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय है, लेकिन यह अंततः प्रकट हो सकता है। कैसे तेज हुई चर्चाः 31 मार्च को प्रधानमंत्री द्वारा एक समाचार लेख साझा करने के साथ कच्चातिवू को लेकर विवाद बढ़ गया, जिसमें तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई द्वारा एक आरटीआई आवेदन के माध्यम से सार्वजनिक डोमेन में जारी किए गए कुछ दस्तावेजों पर रिपोर्ट की गई थी। विदेश मंत्रालय के अब तक अप्रकाशित दस्तावेजों से पता चलता है कि 1974 में कांग्रेस सरकार ने संवैधानिक मानदंडों को दरकिनार करते हुए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण टापू को श्रीलंका को सौंप दिया था और तत्कालीन डीएमके मुख्यमंत्री एम करुणानिधि, जिन्हें इंदिरा गांधी सरकार ने लूप में रखा था। उन्हें इसकी पूरी जानकारी थी और वह इस कदम से सहमत थे। कच्चाथीवू तमिलनाडु में एक संवेदनशील मुद्दा था और बना हुआ है, जिसमें राज्य के प्रभावशाली मछुआरे समुदाय की आजीविका और भावना आंतरिक रूप से छोटे टापू से जुड़ी हुई है। यह स्वाभाविक रूप से अत्यधिक राजनीतिक महत्व रखता है क्योंकि तमिल राजनीति के सभी प्रमुख खिलाड़ी इस कथा को स्थापित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। अचानक से ही नहीं उठा मुद्दाः यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि राजनीतिक लाभ के लिए चुनावों से पहले भाजपा द्वारा कच्चाथीवू को अचानक इतिहास के ठंडे बस्ते से बाहर नहीं लाया गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले पांच वर्षों में विभिन्न दलों द्वारा संसद और सलाहकार समिति में द्वीप और मछुआरों के मुद्दों को लगातार उठाया गया है। विदेश मंत्री ने तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन के पत्र का 21 मौके पर जवाब दिया है। कच्चाथीवू पर भारत के साथ बातचीत की कोई जरूरत नहींः विदेश मंत्री ने कहा है कि श्रीलंका को कच्चाथीवू नामक एक विवादास्पद द्वीप पर बातचीत फिर से शुरू करने की कोई आवश्यकता नहीं दिखती है, जिसे नई दिल्ली ने 50 साल पहले सौंप दिया था। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने बुधवार को घरेलू हिरू टेलीविजन चैनल को बताया यह एक ऐसी समस्या है जिस पर 50 साल पहले चर्चा हुई थी और इसका समाधान किया गया था और इस पर आगे चर्चा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह सामने आएगा। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी ने भी द्वीप की स्थिति में बदलाव का सवाल नहीं उठाया है, जो भारत के तट से 33 किमी (21 मील) दूर पाक जलडमरूमध्य में स्थित है। उनकी यह टिप्पणी मोदी की भारतीय जनता पार्टी द्वारा 285 एकड़ (115 हेक्टेयर) द्वीप को चुनावी अभियान का मुद्दा बनाने और विपक्षी कांग्रेस पार्टी पर संवेदनहीनता से इसे देने का आरोप लगाने के बाद आई है।

बिहार के छह लोग गिरफ्तार, 53 किलो गांजा जब्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। झारखंड के जमशेदपुर शहर में बिहार के छह लोगों के पास से 53 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (शहर) मुकेश कुमार लुनायत ने संवाददाताओं को बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को बिहार के वैशाली जिले के रहने वाले एक व्यक्ति को जमशेदपुर के मानगो बस स्टैंड से पकड़ा और उसके कब्जे से सात किलोग्राम गांजा जब्त किया।

अपडेट न्यूज

शक्तिशाली भूकंप के बाद लापता लोगों की तलाश में जुटे बचावकर्मी

हुआलीन, (एजेंसी)। ताइवान में आए शक्तिशाली भूकंप के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को बचावकर्मी लापता लोगों की खोज में जुट गये। ताइवान में बुधवार को आये भूकंप को बीते 25 वर्षों में सबसे शक्तिशाली भूकंप माना जा रहा है, जिससे कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गयीं और कई जगह पत्थरों के खिसकने की खबरें सामने आईं। भूकंप से नौ लोगों की मौत हो गयी। भूकंप के केंद्र के समीप पूर्वी तटीय शहर हुआलीन में मजदूरों ने एक क्षतिग्रस्त इमारत को स्थिर करने और ढहने से बचाने के लिए उसके चारों ओर निर्माण सामग्री डालने के लिए खुदाई की। मेयर सू चेन-वेई ने पहले कहा था कि भूकंप से 48 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। इन क्षतिग्रस्त इमारतों में से कुछ के भूतल ढह गये, जिसकी वजह से ये इमारतें खतरनाक तरीके से झुक गईं। भूकंप में एक हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मारे गये नौ लोगों में से कम से कम चार व्यक्ति तारोको राष्ट्रीय उद्यान के भीतर थे। राष्ट्रीय दमकल एजेंसी के मुताबिक करीब 150 लोग लापता हैं। उद्यान में करीब दो दर्जन पर्यटक और कुछ अन्य लोग फंसे हुए थे। स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्रालय ने बताया कि एक चट्टान खदान में 64 अन्य मजदूर काम कर रहे थे। मंत्रालय के मुताबिक, एक अन्य खदान से छह मजदूरों को हवाई मार्ग से बाहर निकाला गया क्योंकि चट्टानें गिरने से सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई थीं और वहां तक पहुंचना मुश्किल हो गया था।

फिनलैंड ने यूक्रेन के साथ साइन 10 वर्षीय सुरक्षा समझौते पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। फि नलैंड ने बुधवार को यूक्रेन के साथ 10 साल के सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। फि नलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने कीव में यूक्रेनी समकक्ष वलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात के बाद कहा कि उसे अतिरिक्त 188 मिलियन यूरो ($203 मिलियन) की सैन्य सहायता भेजेगा। स्टब के कार्यालय ने कहा कि समझौते में दो साल पुराने रूस के आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा और सुरक्षा और यूक्रेनी सुधारों और पुनर्निर्माण सहित सुरक्षा सहयोग और दीर्घकालिक समर्थन शामिल है। एक बयान में कहा गया कि 10 साल का समझौता यूक्रेन को समर्थन देने के लिए फिनलैंड की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यूक्रेन की राजधानी में जेलेंस्की के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में स्टब ने कहा कि फि नलैंड वायु रक्षा और भारी क्षमता वाले गोला-बारूद सहित रक्षा सामग्रियों का एक और पैकेज भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ताजा सहायता पैकेज 2022 से यूक्रेन की रक्षा में कुल फिनिश योगदान को लगभग 2 बिलियन यूरो तक ले जाएगा। स्टब ने कहा कि हम यह सैन्य समर्थन केवल यूक्रेन को अपनी रक्षा के लिए नहीं दे रहे हैं, हम यूक्रेन को यह युद्ध जीतने के लिए यह सैन्य समर्थन दे रहे हैं। यूक्रेन अपने सैन्य रूप से बेहतर दुश्मन के खिलाफ पश्चिमी वायु रक्षा प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर करता है और अपने शहरों और ऊर्जा ग्रिड पर बढ़ते रूसी हमलों को रोकने के लिए बड़े हथियारों के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों पर लंबे समय से दबाव डाल रहा है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने बुधवार को कहा कि कीव के साझेदार रूसी मिसाइल हमलों से बचाने के लिए पर्याप्त हवाई सुरक्षा प्रदान नहीं कर रहे हैं, जबकि उनके पास अपने शस्त्रागार में 100 से अधिक पैट्रियट सिस्टम हैं।

नाटो के विदेश मंत्री ब्रुसेल्स में बैठक कर रहे थे, जिसमें इस बात पर चर्चा की जा रही थी कि यदि डोनाल्ड ट्रम्प व्हाइट हाउस में लौटते हैं तो अमेरिकी समर्थन में किसी भी महत्वपूर्ण कटौती से बचने के लिए यूक्रेन के लिए सैन्य समर्थन को और अधिक टिकाऊ दीर्घकालिक स्तर पर कैसे रखा जाए।

पाकिस्तान में गरीबी मचाएगी गदर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व बैंक की द्विवार्षिक पाकिस्तान विकास आउटलुक रिपोर्ट ने संकेत दिया कि देश लगभग सभी प्रमुख व्यापक आर्थिक लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहेगा। अंतर्राष्ट्रीय ऋणदाता ने कहा कि देश को अपने प्राथमिक बजट लक्ष्य से कम होने का अनुमान है, लगातार तीन वर्षों तक घाटे में रहेगा, जो अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की अधिशेष अनिवार्यता की शर्तों के विपरीत है। रिपोर्ट के मुख्य लेखक सैयद मुर्तजा मुजफ्फरी ने कहा कि बोर्ड-आधारित अभी तक शुरूआती आर्थिक सुधार के बावजूद, गरीबी उन्मूलन के प्रयास अपर्याप्त हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्थिक वृद्धि मामूली 1.8 प्रतिशत पर स्थिर रहने का अनुमान है, जबकि गरीबी दर लगभग 40 प्रतिशत पर बनी रहेगी, लगभग 98 मिलियन पाकिस्तानी पहले से ही गरीबी से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट में गरीबी रेखा के ठीक ऊपर मंडरा रहे लोगों की असुरक्षा को रेखांकित किया गया है, जिसमें 10 मिलियन व्यक्तियों के गरीबी में जाने का खतरा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबों और कमजोर लोगों को कृषि उत्पादन में अप्रत्याशित लाभ से लाभ होने की संभावना है, लेकिन ये लाभ लगातार उच्च मुद्रास्फीति और अन्य क्षेत्रों में सीमित वेतन वृद्धि से ऑफसेट हो गए, जो निर्माण, व्यापार और जैसे कई गरीबों को रोजगार देते हैं। इसमें कहा गया है कि इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान दैनिक मजदूरों की मजदूरी नाममात्र में केवल पांच प्रतिशत बढ़ी, जब मुद्रास्फीति 30 प्रतिशत से ऊपर थी। विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि बढ़ती परिवहन लागत के साथ-साथ जीवन-यापन के संकट के कारण स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या में संभावित रूप से वृद्धि हो सकती है और विशेष रूप से बदतर स्थिति वाले परिवारों के लिए चिकित्सा उपचार में देरी हो सकती है। साथ ही, इसमें यह भी कहा गया कि देश के कुछ हिस्सों में खाद्य सुरक्षा चिंता का विषय बनी हुई है।

तुर्किये में कैसे पहली बार हारे एर्दोगन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तुर्किये में रेचेप तैय्यप एर्दोगन को हराने के बाद इस्तांबुल के मेयर अकरम इमामोगलू झूमते नजर आए। तुर्किये में आए चुनाव के नतीजों ने एर्दोगन को तगड़ा झटका दिया है। पिछले साल तीसरी बार चुनाव जीतने वाले रेचेप तैय्यप एर्दोगन को उम्मीद थी कि वो इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। लेकिन वो हार गए। इस्तांबुल के मेयर के चुनाव में खुद एर्दोगन ने प्रचार की बागडोर संभाली थी। यही पर वो पले-बढ़े थे और इसी शहर में मेयर रहे थे। लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। फिर से अकरम इमामोगलू मेयर बन गए हैं। 2019 में पहली बार इस शहर का मेयर बनने वाले इमामोगलू ने सेक्युलर विपक्ष दल के उम्मीदवार के रूप में बड़ी जीत हासिल की है। तुर्किये की मुख्य विपक्ष पार्टी ने हुए स्थानीय चुनावों में अहम शहरों में अपनी पकड़ कायम रखी है। साथ ही अन्य स्थानों पर बड़ी बढ़त हासिल की।

शुरूआती नतीजे राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोऑन के लिए झटका हैं जो इन शहरी इलाको में फिर से नियंत्रण हासिल करने की कोशिश में थे। खबर लिखे जाने तक 60 फीसदी मतों की गणना की जा चुकी है। तुर्किये के सबसे बड़े शहर और आर्थिक केंद्र इस्तांबुल में रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) के मौजूदा मेयर अकरम इमामोगलू बढ़त बनाए हुए हैं। यह नतीजे विपक्ष के लिए संजीवनी हैं जो पिछले साल हुए राष्ट्रपति एवं संसदीय चुनाव में एर्दोआन के हाथों हार के बाद विभाजित हो गया था और उसका मनोबल टूट गया था।

हम चुपचाप नहीं बैठेंगे...

बाइडेन ने जिनपिंग को लगाया फोन, हुई तीखी बहस, किस बात पर भड़के चीनी राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रौद्योगिकी और ताइवान पर अमेरिकी व्यापार प्रतिबंधों के बारे में राष्ट्रपति जो बाइडेन और शी जिनपिंग के बीच टेलीफोन कॉल पर तीखी बहस हो गई। दोनों देश अपने तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे थे। लगभग दो घंटे की टेलीफोन बातचीत नवंबर में कैलिफोर्निया में शिखर सम्मेलन के बाद दोनों नेताओं की पहली सीधी बातचीत है, जिसमें दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच दीर्घकालिक प्रतिद्वंद्विता नहीं तो, स्वर में एक स्पष्ट सॉफ्टनेस देखने को मिली।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस बात पर जोर दिया कि ताइवान का प्रश्न पहली लाल रेखा है जिसे चीन-अमेरिका संबंधों में पार नहीं किया जाना चाहिए। बाइडेन और जिनपिंग के बीच बातचीत ऐसे वक्त में हुई जब दो शीर्ष अमेरिकी अधिकारी बीजिंग जा की यात्रा पर जा रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन बुधवार को रवाना होंगी और

आने वाले हफ्तों में चीन के सचिव एंटनी ब्लिंकन के साथ चीन की विनिर्माण शक्ति के प्रतीक दक्षिणी शहर गुआंगजौ और बीजिंग दोनों का दौरा करेंगी। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कॉल के बाद संवाददाताओं से कहा कि हमारा मानना है कि इस जटिल और अक्सर तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए नेता स्तर पर नियमित संचार का कोई विकल्प नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि बातचीत का उद्देश्य मतभेदों को सुलझाना नहीं, बल्कि मतभेदों को दूर करना था और दोनों नेता तीखी असहमतियों के बारे में खुलकर बात कर रहे थे।

शी ने संयुक्त राज्य अमेरिका पर चीन को उच्च तकनीक निर्यात पर बाइडेन के व्यापक प्रतिबंध के माध्यम से आर्थिक चुनौतियां पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने अमेरिकी पक्ष से राष्ट्रपति बाइडेन की "ताइवान की स्वतंत्रता" का समर्थन न करने की प्रतिबद्धता को ठोस कार्रवाई में बदलने का आग्रह किया। चीनी राज्य मीडिया के अनुसार, शी ने चेतावनी दी, अगर संयुक्त राज्य अमेरिका चीन के उच्च तकनीक विकास को दबाने और चीन को विकास के वैध अधिकार से वंचित करने पर जोर देता है, तो हम चुपचाप नहीं बैठेंगे।

क्या युद्ध की आंच चढ़ जायेगी इजरायली पीएम नेतन्याहू की कुर्सी, गैंट्ज सितंबर में इजराइल चुनाव क्यों चाहते हैं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अधिकांश इजरायली ही नहीं बल्कि बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्य और उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वीबेनी गैंट्ज भी चाहते हैं कि वे इजराइल के प्रधान मंत्री पद से हट जाएं। गाजा में युद्ध को लेकर देश और विदेश में दबाव बढ़ने के कारण गैंट्ज ने सितंबर में तत्काल संसदीय चुनाव का आह्वान किया है। यह पहली बार है जब पूर्व जनरल और नेशनल यूनिटी पार्टी के नेता गैंट्ज ने हमास आतंकवादियों द्वारा 7 अक्टूबर के हमले के बाद आपातकालीन आधार पर इजरायली सरकार में शामिल होने के बाद इस तरह का आह्वान किया है। गैंट्ज ने सरकार में एकता बनाए रखने और विश्वास को कायम करने की आवश्यकता का हवाला दिया है, जिसकी सेना फिलिस्तीन पर हमला कर रही है और हमास आतंकवादियों से लड़ रही है, जिन्होंने 7 अक्टूबर को इजराइल में प्रवेश किया और 1,200 से अधिक लोगों की हत्या कर दी और 250 से अधिक बंधकों को ले लिया। चुनाव में नेतन्याहू की लिकुड का नेतृत्व करने वाली नेशनल यूनिटी पार्टी के नेता गैंट्ज ने कहा कि इजरायल के लोगों को पता होना चाहिए कि हम जल्द ही उनका विश्वास मांगने वापस आएंगे, कि हम 7 अक्टूबर की आपदा और उससे पहले की घटनाओं को नजरअंदाज नहीं करेंगे। एक टेलीविजन ब्रीफिंग में गैंट्ज ने कहा कि इजराइल में चुनाव सितंबर में होने चाहिए, जो गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध की शुरूआत की पहली वर्षगांठ के करीब है। उन्होंने कहा कि हमें युद्ध के लगभग एक साल बाद सितंबर में चुनाव की तारीख पर सहमत होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसी तारीख तय करने से हमें इजरायल के नागरिकों को संकेत देते हुए सैन्य प्रयास जारी रखने की अनुमति मिलेगी कि हम जल्द ही हम पर उनका विश्वास नवीनीकृत करेंगे।

फोन पर भिड़े बाइडेन-जिनपिंग और इधर चीन पहुंची अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ताइवान, यूक्रेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जलवायु परिवर्तन के बारे में लगभग दो घंटे तक जिनपिंग और बाइडेन की बात के बाद अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन आज चीन पहुंचने वाली हैं। वह दक्षिणी शहर गुआंगजौ और राजधानी बीजिंग की यात्रा करेंगी। पर्यवेक्षकों का मानना है कि अमेरिकी चुनावी वर्ष के दौरान काफी स्थिर संबंधों को बनाए रखने में मदद करने के लिए अमेरिका-चीन संबंधों को फिर से स्थापित करने के प्रयासों में व्यापार एक मुख्य फैक्टर है। अमेरिकी ट्रेजरी के अनुसार, गुआंगजौ और बीजिंग में उनके यात्रा कार्यक्रम में अर्थशास्त्रियों, अमेरिकी व्यवसायों, गुआंग्डोंग के गवर्नर वांग वेइजहोंग और बीजिंग के मेयर यिन योंग के साथ बैठकें शामिल होंगी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने नियमित बातचीत फिर से शुरू की है और अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने पिछले साल बीजिंग का दौरा किया था।

लेकिन देश अभी भी आर्थिक मुद्दों पर कटाक्ष करते हैं क्योंकि वे उन्नत प्रौद्योगिकियों में श्रेष्ठता के लिए लड़ते हैं और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के लिए काम करते हैं। जैसे ही येलेन गुरुवार को चीन पहुंचीं, उन्हें किन मुद्दों का सामना करना पड़ा? सौर और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे हरित ऊर्जा क्षेत्रों का हवाला देते हुए, वाशिंगटन इस बात से सावधान है कि सस्ते चीनी निर्यात वैश्विक बाजारों में बाढ़ ला सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका इन क्षेत्रों में अपनी आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए काम कर रहा है।

ताइवान के बाद जापान में आया भूकंप, 6.3 रही थी तीव्रता, चीन में भी झटका हुए महसूस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ताइवान के बाद जापान में भी गुरुवार 4 अप्रैल को भूकंप के जबरदस्त झटका महसूस हुए हैं। 4 अप्रैल को आया भूकंप रिक्टर स्केल पर 6.3 की तीव्रता से आया था। जापान के होंशू में पूर्वी तट पर यह झटके महसूस किए गए हैं। ये भूकंप इतना तेज था कि इसके झटके चीन तक में महसूस किए गए है। जापान में आए भूकंप से एक दिन पहले ही ताइवान में भी 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें कई इमारें क्षतिग्रस्त हुई थी। इस भूकंप में नौ लोगों की मौत हुई थी। इस भूकंप के संबंध में यूरोपियन-मेडिटेरेनियन सीस्मॉलोजिकल सेंटर ने जानकारी दी कि जापान के होंशू द्वीप के पूर्वी हिस्से में भूकंप आया है जिसकी तीव्रता 6.3 रही है। बता दें कि जापान चार प्रमुख द्वीपों से मिलकर बना है जिसमें होक्काइडो, होंशू, शिकोकू और क्यूशू शामिल है।

वोडाफोन आइडिया के बोर्ड की बैठक छह अप्रैल को

20,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव पर होगा फैसला

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। कर्ज के बोझ से दबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया का निदेशक मंडल तरजीही आधार पर इक्विटी शेयर या परिवर्तनीय प्रतिभूतियां जारी करने के प्रस्ताव पर निर्णय लेने के लिए छह अप्रैल को बैठक करेगा। इससे पहले दो अप्रैल को हुई असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में कंपनी के शेयरधारकों ने प्रतिभूतियां जारी कर 20,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की मंजूरी दी थी। वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ‘‘हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक छह अप्रैल दिन शनिवार को होने वाली है। इसमें तरजीही आधार पर

इक्विटी शेयर और/या परिवर्तनीय प्रतिभूतियां जारी करने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा।'' वीआईएल ने सूचना में ईजीएम के मतदान परिणामों का उल्लेख किया, जहां 99.01 प्रतिशत वोट ‘20,000 करोड़ रुपये की कुल राशि तक प्रतिभूतियां जारी करने’ से संबंधित संकल्प के पक्ष में डाले गए थे। यह मंजूरी ऐसे समय में मिली है जब कर्ज में डूबी कंपनी इक्विटी और ऋण के माध्यम से 45,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है, ताकि प्रतिद्वंद्वी रिलायंस जियो और भारती एयरटेल द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की बराबरी की जा सके और लंबे समय तक ग्राहकों के पलायन को रोका जा सके। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने इस साल फरवरी में कहा था कि उसके निदेशक मंडल ने जून तक प्रवर्तकों और अन्य निवेशकों से 20,000 करोड़ रुपये तक की इक्विटी पूंजी जुटाने की मंजूरी दे दी है। कंपनी को 5जी के क्रियान्वयन और 4जी सेवाओं को मजबूत करने के लिए पूंजी की जरूरत है। वोडाफोन आइडिया पर 2.1 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। कंपनी तिमाही घाटे से उबर नहीं रही है और हर महीने उसके ग्राहक कम हो रहे हैं।

तेजी के साथ 2024 में बढ़ रहा है सोना

अब तक 10% से अधिक चढ़ा, 70 हजार पहुंची कीमत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में एक बार फिर से सराफा बाजार तेजी पर है। इसके पीछे वर्ल्ड गोल्ड मार्केट की मजबूती को कारण बताया गया है। वहीं घरेलू सराफा बाजार में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। देश के अधिकतर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 70 हजार को पार कर गया है। सोने की बढ़ती कीमत लगातार रिकॉर्ड तोड़ती जा रही है। सोने की रिकॉर्ड थोड़ी कीमतों के पीछे कमजोर उस डॉलर और पेट्रोल रिजवेर्दार में कटौती की उम्मीद मानी जा रही है। बता दें कि वर्ष 2024 की शुरूआत से ही सोने की कीमत लगातार तेजी से बढ़ रही है। पीली धातु की कीमत लगातार नई ऊंचाइयां छूती जा रही है। वर्ष 2024 की शुरूआत में 2062.94 पर सोने ने कारोबार शुरू किया था जो अब लगभग 13% बढ़ गया है। सोने की कीमत में लगातार हो रही इस बढ़ोतरी की पीछे कई महत्वपूर्ण कारक है। इस साल सोने के बाजार में उल्लेखनीय उछाल देखने को मिल है। इसकी कीमतें अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। इसके पीछे अमेरिकी डॉलर का कमजोर प्रदर्शन भी प्रमुख कारण माना जा रहा है। अमेरिकी

डॉलर बीते चार महीने में अपने उच्चतम स्तर से गिरकर 104.70 पर पहुंच गया है। ऐसे में सोने की कीमत 2270 डॉलर प्रति आउंस से अधिक पहुंच गई है। फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति ने भी निवेश को ही अपेक्षाओं के अनुरुप होने के बारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे कीमतों को बढ़ावा मिला है। अनुमान है कि फेडरल रिजर्व ने 2024 में ब्याज दरों में तीन बार कटौती करने की संभावना जताई है। इस कारण सोने में निवेश करने के लिए प्रोत्साहन भी मिला है। वहीं आर्थिक परिदृश्य से भी सोने में निवेश को काफी प्रभावित किया है। मैन्युफैक्चरिंग, पर्चेजिंग, मैनेजर इंडेक्स में लौटने और अमेरिका की मजबूत विकास प्रदर्शित करने के कारण भी सोने की कीमतों में इजाफा हुआ है। गौरतलब है किवर्ष 2024 सोने की कीमतों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। इस दौरान सोने की कीमत तो नहीं अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच कर नया इतिहास रच दिया है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने छह अप्रैल को इस्लामाबाद में होने वाली रैली रद्द की

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने धार्मिक कारणों का हवाला देते हुए शनिवार को यहां होने वाली अपनी बहुप्रचारित रैली को रद्द करने की घोषणा की। यह रैली पार्टी संस्थापक इमरान खान की जेल से रिहाई की मांग को लेकर की जानी थी जो विभिन्न मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से पिछले साल अगस्त से जेल में बंद हैं। जियो न्यूज की खबर के मुताबिक, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने बुधवार को अपनी पार्टी के समर्थकों को सूचित किया कि यह फैसला ‘लैलत-उल-कद्र’ के कारण लिया गया है।

मुस्लिम समुदाय रमजान के महीने में आने वाली ‘लैलत-उल-कद्र’ की रात को बहुत अहम मानता है और पूरी रात जागकर इबादत करता है। उन्होंने समर्थकों से इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी सहित पार्टी के सभी कार्यकताओं तथा नेताओं की रिहाई एवं सुरक्षा के लिए दुआ करने की भी गुजारिश की।

ताइवान में बीते 25 सालों में सबसे तेज भूकंप, पीएम मोदी का आया बयान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ताइवान में आए भीषण भूकंप से प्रभावित क्षेत्रों में सेना की तैनाती की गई है। यूएसजीएस ने कहा कि ताइपे में कई झटके आए, जिनमें से एक झटका 6.5 तीव्रता का और लगभग 11.8 किमी गहरा था। प्रधानमंत्री मोदी ने ताइवान भूकंप में जानमाल के नुकसान पर शोक जताया है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि आज ताइवान में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि से बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएँ और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। हम ताइवान के लचीले लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं क्योंकि वे इसके परिणामों को सहन कर रहे हैं और इससे उबर रहे हैं। ताइवान की राजधानी ताइपे भूकंप के जोरदार झटकों से दहल गई। बड़ी-बड़ी इमारतें हिलने लगी। कई इमारतें तो ढेर हो गईं। इसके अलावा तालाब में रखा पानी उछलने लगा। शहर को कैद करने वाले कैमरे भी हिलते नजर आए। इसके साथ पूरा शहर भी हिलता नजर आया। ताइवान में भूकंप आने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 700 से अधिक अन्य घायल हो गए। यह पिछले 25 वर्षों में ताइवान में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है। 1999 में देश के नानटौ काउंटी में 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 2,500 से अधिक लोग मारे गए थे और 1,300 से अधिक अन्य घायल हुए थे।

पाकिस्तान चार हिस्सों में बटेगा, दिवालिया हो चुका है पड़ोसी मुल्क!

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान पर पाक की जनता का आया रिएक्शन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान की मौजूदा आर्थिक स्थिति इस समय ठीक नहीं है। बुधवार (3 अप्रैल, 2024) को विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया कि एक करोड़ लोग गरीबी के चक्र में फंस सकते हैं। विश्व बैंक ने यह चिंता तब जाहिर की जब देश का सकल घरेलू उत्पाद 1.8 फीसदी है, महंगाई 26 फीसदी है और देश के कई हिस्सों में लोग हर छोटी-छोटी चीज के लिए मोहताज हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कबूल किया कर चुके हैं कि उनका देश पहले ही डिफॉल्ट कर चुका है और दिवालिया हो चुका है। सियालकोट में एक कार्यक्रम में, मंत्री ने पाकिस्तान में मौजूदा आर्थिक संकट के लिए प्रतिष्ठान, नौकरशाही और राजनेताओं सहित सभी को दोषी ठहराया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने उनके हवाले से कहा था कि, "आपने सुना होगा कि पाकिस्तान दिवालिया हो रहा है या डिफॉल्ट या मेल्टडाउन हो रहा है। यह (डिफॉल्ट) पहले ही हो चुका है। हम एक दिवालिया देश में रह रहे हैं।" पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ और वित्त मंत्री इशाक डार 2019 में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ हस्ताक्षरित 6.5 बिलियन डॉलर के बेलआउट सौदे से कम से कम 1.1 बिलियन डॉलर की तत्काल जीवनरेखा प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। यह सौदा अपनी समय सीमा से चूक गया है और लटक गया है पाकिस्तान

आईएमएफ द्वारा निर्धारित कुछ पूर्व शर्तों पर काम कर रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की समस्याओं का समाधान "देश के भीतर ही है" और इसका समाधान आईएमएफ के पास नहीं है। आईएमएफ फंडिंग 350 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, जो विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट के साथ भुगतान संतुलन संकट का सामना कर रही है। कई हफ्तों की गिरावट के बाद, 10 फरवरी को समाप्त सप्ताह में, स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के पास विदेशी मुद्रा भंडार थोड़ा बढ़ गया, लेकिन यह लगभग 10-15 दिनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। इससे पहले पाकिस्तान के मंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान आया था, जिसमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान दिवालिया हो गया है. यही वजह है कि पाकिस्तान में सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक ये चर्चा होने लगी कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो निकट भविष्य में पाकिस्तान चार हिस्सों में बंट सकता है. स्थानीय यूट्यूबर सोहेब चौधरी ने इस मुद्दे पर लोगों का मूड जानना चाहा।

सोहेब चौधरी ने जब मिमिक्री आर्टिस्ट हाजी स्केलेन से पाकिस्तानी मंत्री के बयान के बारे में पूछा तो जवाब (बॉलीवुड एक्टर अमरीश पुरी के अंदाज में) आया- वाह भाई, ये तो ठीक है. वह सच है. जो लोग इस देश को चला रहे हैं उन्होंने इसे लूटा है।' ये देश चार हिस्सों में बंटता नजर आ रहा है. जो कोई भी इसे संभाल सकता है उसे यहां से भाग जाना चाहिए।' सोहेब चौधरी ने मंत्री के बयान पर एक शख्स से पूछा- शख्न ने कहा कि पाकिस्तान के हालात ऐसे है कि पाकिस्तान अपने आप से ही लड़ रहा है।

नवनीत राणा को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत, हाई कोर्ट के फैसले को पलटा, जाति प्रमाण पत्र को बताया वैध

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद नवनीत कुमार राणा को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को पलट दिया और यहां अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय को राणा के जाति प्रमाण पत्र के मुद्दे पर जांच समिति की रिपोर्ट में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए था। राणा ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि जिन लोगों ने मेरे जन्म पर सवाल उठाए थे, उन्हें आज जवाब मिल गया। मैं सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देता हूं.

अपडेट न्यूज

चमोली के ग्रामीणों ने दी धमकी, कहा जब तक सड़क का निर्माण नहीं होगा हम मतदान नहीं करेंगे

गोपेश्वर, (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले के दूरस्थ गांवों में से एक डुमक के ग्रामीणों ने धमकी दी है कि अगर जल्द ही उनके गांव तक सड़क का निर्माण शुरू न किया गया तो वे लोकसभा चुनाव के लिए 19 अप्रैल को होने वाले मतदान का बहिष्कार करेंगे। जोशीमठ तहसील के इस गांव के लोग लंबे समय से अपनी मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बुधवार को इस संबंध में एक रैली निकाली और अपनी उपेक्षा को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। रैली में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जनवरी माह में अधिकारियों को निर्माण शुरू करने के निर्देश दिए जाने के बाबजूद कार्य शुरू न होने पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। सड़क निर्माण के लिए बनी संघर्ष समिति के संयोजक प्रेम सिंह सनवाल ने बताया कि 29 मार्च को जोशीमठ के उपजिलाधिकारी भी वार्ता के लिए आए थे लेकिन उन्हें बता दिया गया है कि जब तक कार्य शुरू नहीं होगा तब तक वे आंदोलन पर डटे रहेंगे। उन्होंने बताया कि मतदान की तिथि से पूर्व निर्माण कार्य शुरू न होने पर मतदान का बहिष्कार किया जाएगा। उत्तराखंड में सभी पांचों लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होना है।

रूस-यूक्रेन युद्ध लड़ने के लिए मजबूर किए गए केरल के दो व्यक्ति घर लौटे

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। निजी एजेंसियों द्वारा रूसी सेना में भर्ती किए जाने के बाद, सुरक्षित घर लौटे केरल के दो लोगों ने रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में अपना खौफनाक अनुभव बयां किया और प्राधिकारियों से ऐसी ही परिस्थितियों में फंसे दो अन्य नागरिकों को स्वदेश लाने में मदद करने का अनुरोध किया। तिरुवनंतपुरम निवासी प्रिंस और डेविड मुथप्पन पिछले दो दिनों में केरल लौटे हैं। नयी दिल्ली में केंद्रीय सरकारी एजेंसियों को अपना बयान दर्ज कराने के बाद तिरुवनंतपुरम केंद्रीय रेलवे स्टेशन पहुंचे मुथप्पन ने बुधवार रात को मीडिया से बातचीत की। उन्हें यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ने के लिए मजबूर किया गया। मुथप्पन ने कहा कि उसने कभी जीवित घर लौटने की उम्मीद नहीं की थी। उसने मीडिया को बताया, ''मूल प्रशिक्षण मिलने के बाद हमें सीधा लड़ाई के लिए युद्ध मोर्चे पर ले जाया गया। हमने जहां भी देखा, शव ही शव बिखरे मिले।'' एक दिन पहले यहां पहुंचे प्रिंस ने कहा कि वह घायल हो गया था और 30 दिन से अधिक समय तक रूस के एक अस्पताल में भर्ती रहा था। उसने बताया कि उसके दो दोस्त विनीत और टीनू अब भी युद्ध क्षेत्र में हैं। प्रिंस ने बताया, ''हालात खराब हैं। हम सिग्नल पकड़ में आने और उन स्थानों पर संभावित मिसाइल हमलों के खतरे के कारण फोन नहीं कर सकते थे।'' अंचुथेंगु निवासी प्रिंस ने बताया कि वह घायल हो गया था और उसे सुरक्षित स्थान की तलाश में तीन किलोमीटर तक रेंगना पड़ा था। रूस से लौटे दोनों नागरिकों ने बताया कि उन्हें हर जगह क्षत-विक्षत शव मिले। प्रिंस ने कहा, ''हमें एके-45, आरपीजी, ग्रेनेड और स्मोकर्स समेत विभिन्न हथियारों के संचालन का एक महीने का प्रशिक्षण दिया गया।''

प्रिंस ने यह भी कहा कि उसने प्रियन नामक एक व्यक्ति को सात लाख रुपये दिए थे जिसने युद्ध के लिए उनकी भर्ती की जबकि उनसे यह कहा गया था कि यह एक सुरक्षाकर्मी की नौकरी है। इससे पहले, केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा कि केंद्र सरकार युद्ध प्रभावित क्षेत्र में फंसे सभी भारतीयों की वापसी के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है और उन्हें भर्ती करने वाली एजेंसियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की प्रक्रिया जारी है। रूस से लौटे इन व्यक्तियों के रिश्तेदारों ने बताया कि एक भर्ती एजेंसी उन्हें अच्छा वेतन दिलाने का वादा कर रूस ले गयी थी। मुरलीधरन ने कहा था कि अधिकारियों ने उन एजेंसियों की जांच शुरू कर दी है जिन्होंने भारतीयों को रूसी सेना में आकर्षक नौकरी का लालच देकर युद्धग्रस्त यूक्रेन जाने के लिए भर्ती किया था।

संजय सिंह ने जेल से रिहा होने के एक दिन बाद दिल्ली के मंदिर में की पूजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तिहाड़ जेल से रिहा होने के एक दिन बाद आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सासंद संजय सिंह ने बृहस्पतिवार को अपनी पत्नी के साथ दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्थित हनुमान मंदिर में पूजा की। सिंह को अब खत्म हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन के मामले में उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को जमानत दे दी। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद ने राजघाट जा कर महात्मा गांधी को भी श्रद्धांजलि दी। बाद में वह जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और वरिष्ठ आप नेता सत्येंद्र जैन के परिवार से मिलेंगे। बुधवार को तिहाड़ से रिहा होने के बाद सिंह और उनकी पत्नी अनीता ने केजरीवाल की पत्नी सुनीता से उनके आवास पर मुलाकात की। संजय सिंह ने मंदिर में पूजा करने के बाद कहा भगवान हनुमान के आशीर्वादसे मुझे जमानत मिल गई। मैं अपनी पत्नी के साथ यहां हनुमान जी के दर्शन करने आया था। मैंने आप के अन्य नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के जल्द जेल से बाहर आने के लिए प्रार्थना की है। सिंह 13 अक्टूबर, 2023 से यहां उच्च सुरक्षा वाली तिहाड़ जेल में बंद थे। बुधवार को जैसे ही वह जेल से बाहर आए आप कार्यकताओं ने उन्हें माला पहनाई।

इसके बाद वह अपने समर्थकों का अभिवादन करने के लिए अपने वाहन के ऊपर चढ़ गए। उन्होंने अपने आवास से बाहर निकलते समय संवाददाताओं से कहा आप कार्यकताओं के बीच कल रात का उत्साह यह दशार्ता है कि वर्तमान स्थिति में जब अन्याय और अत्याचार की सभी सीमाएं पार हो गई हैं और एक तानाशाही सरकार ने एक मुख्यमंत्री को सलाखों के पीछे डाल दिया है, जिसे दिल्ली के दो करोड़ निवासियों द्वारा चुना गया था... आप के सभी मंत्री, विधायक और नेता अपने नेता अरविंद केजरीवाल के साथ खड़े हैं।

मेट्रो स्टेशन पर सीआईएसएफ के जवान ने खुद को मारी गोली, पश्चिम विहार मेट्रो स्टेशन की घटना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 36 वर्षीय कांस्टेबल ने बृहस्पतिवार को पश्चिम विहार (पश्चिम) मेट्रो स्टेशन पर अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना सुबह करीब छह बजकर 40 मिनट पर हुई। उन्होंने बताया कि जवान सहारे किशोर सामराव का शव एक्स-रे बैगेज स्कैनर के पास से बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कांस्टेबल 2014 में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में भर्ती हुआ था और 2022 में उसे सीआईएसएफ (दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन) में तैनात किया गया था। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जवान ने अपनी सर्विसराइफल से आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि जवान महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले का रहने वाला था और अपने परिवार के साथ दिल्ली के नरेला इलाके में रहता था। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली पुलिस के अलावा अर्धसैनिक बल मामले की जांच कर रहा है।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने हेमा मालिनी पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

भाजपा ने बोला तीखा हमला, कहा : स्त्रीद्वेषी है विपक्षी पार्टी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने मथुरा की सांसद हेमा मालिनी के खिलाफ "नीच, कामुक" टिप्पणी करने के लिए कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला पर तीखा हमला किया और कहा कि इससे पता चलता है कि कांग्रेस स्त्रीद्वेषी है और महिलाओं से घृणा करती है। हालाँकि, सुरजेवाला ने कहा कि उनके भाषण के केवल चुनिंदा हिस्से ही भाजपा आईटी सेल द्वारा साझा किए गए थे, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसकी "तथ्यों को विकृत करने और झूठ फैलाने" की आदत है।

हरियाणा महिला पैनल ने सुरजेवाला को उनकी टिप्पणी पर 9 अप्रैल को तलब किया था। सुरजेवाला उस समय भाजपा के निशाने पर आ गए जब पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर एक अदिनांकित वीडियो साझा किया जिसमें कांग्रेस सांसद को हेमा मालिनी के बारे में कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए सुना गया। मालवीय ने ट्वीट किया, "कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने एक घृणित लैंगिक टिप्पणी की है, जो न केवल हेमा मालिनी, जो एक कुशल व्यक्ति हैं, बल्कि सामान्य रूप से महिलाओं के लिए भी अपमानजनक और अपमानजनक है।" उन्होंने आगे कहा, "यह राहुल गांधी की कांग्रेस है। यह स्त्रीद्वेषी है और महिलाओं से घृणा करती है।" उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सुरजेवाला पर निशाना साधते हुए कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में महिलाएं उन्हें कड़ा सबक सिखाएंगी। उत्तर प्रदेश के सीएम ने कहा, "जब विपक्ष को हेमा मालिनी जी के खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं मिल रहा है, तो वह अब उनके खिलाफ

अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहा है।"

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस की एकमात्र पहचान "नारी शक्ति" का अनादर करना है, जो हाल ही में कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत द्वारा कथित तौर पर भाजपा नेता कनगना रनौत के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी पर उपजे विवाद का जिक्र करते हुए कहा। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार रनौत के खिलाफ पोस्ट को बाद में हटा दिया गया और श्रीनेत ने दावा किया कि यह किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा पोस्ट किया गया था जिसके पास उनके खातों तक पहुंच थी। भाजपा की IT Cell को काट-छांट, तोड़-मरोड़, फजी-झूठी बातें फैलाने की आदत बन गई है, ताकि वो हररोज मोदी सरकार की युवा विरोधी, किसान विरोधी, गरीब विरोधी नीतियों-विफलताओं व भारत के संविधान को खत्म करने की साज़िश से देश का ध्यान भटका सके। अपनी टिप्पणियों के लिए आलोचना झेल रहे सुरजेवाला ने भाजपा पर "तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने और झूठ फैलाने" का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद ने उसी वीडियो से एक और क्लिपिंग साझा की जिसमें वह यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि वह हेमा मालिनी का "सम्मान" करते हैं क्योंकि उन्होंने "धर्मेंद्र जी से शादी की है, वह हमारी बहू हैं"। सुरजेवाला ने कहा, "मेरा इरादा हेमा मालिनी जी का अपमान करना या किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था। इसलिए मैंने स्पष्ट रूप से कहा कि हम हेमा मालिनी जी का सम्मान करते हैं। अपने पोस्ट में कहा भाजपा महिला विरोधी है, इसलिए वह हर चीज को अपने स्त्री द्वेष के चश्मे से देखती है और आसानी से झूठ फैलाती है।" सुरजेवाला ने इस कदम को भाजपा का उद्देश्य सरकार की "युवा विरोधी, किसान विरोधी" नीतियों से ध्यान भटकाना बताया। उन्होंने कहा, "भाजपा के इन प्यादों ने कभी प्रधानमंत्री से यह नहीं पूछा कि उन्होंने '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड' क्यों कहा, एक महिला सांसद को 'सूर्पनखा' कहा, एक महिला मुख्यमंत्री को ट्रोल किया, 'कांग्रेस की विधवा' शब्द का इस्तेमाल किया और कांग्रेस नेतृत्व को 'जर्सी' बताया।

भारतीय नौसेना ने नौ जलदस्यु मुंबई पुलिस को सौंपे, पिछले सप्ताह पूर्वी सोमालिया में एक अभियान के दौरान पकड़े थे

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय नौसेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने पिछले सप्ताह पूर्वी सोमालिया में एक अभियान के दौरान पकड़े गए नौ समुद्री डाकुओं को मुंबई पुलिस के सुपुर्द दिया है। भारतीय युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल और आईएनएस सुमेधा ने 29 मार्च को समुद्र में एक बड़ा अभियान चलाया और मछली पकड़ने की नौका अल कंबर तथा उसके चालक दल के 23 पाकिस्तानी नागरिकों को सफलतापूर्वक बचाया। नौसेना ने बताया कि इस अभियान में समुद्री डकैती में शामिल सभी नौ लोगों को पकड़ लिया गया।

नौसेना प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने कहा, ''आईएनएस त्रिशूल तीन अप्रैल को मुंबई पहुंचा और सभी नौ समुद्री डाकुओं को भारतीय कानूनों खासतौर से समुद्री डकैती रोधी अधिनियम 2022 के अनुसार कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में आने-जाने वाले सभी व्यापारिक जहाजों और नाविकों की राष्ट्रीयता की परवाह किए बिना उनकी सुरक्षा करने के अपने संकल्प को दोहराती है।

पांच पावर सेंटर, लॉबी, वैचारिक गड़बड़ी, जर्जर पार्टी

निष्कासन के बाद संजय निरुपम ने कांग्रेस का पूरा चिट्ठा खोल दिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी द्वारा अपने पूर्व मुंबई प्रमुख संजय निरुपम को निष्कासित करने के एक दिन बाद पूर्व सांसद ने पार्टी पर निशाना साधते हुए इसे संगठनात्मक रूप से परेशान बताया। कांग्रेस संगठनात्मक रूप से एक जर्जर पार्टी है। कई लोग पहले ही इसमें वैचारिक गड़बड़ी की ओर इशारा कर चुके हैं. भारत अब एक धार्मिक देश बन गया है। नेहरूवादी धर्मनिरपेक्षता ने हिंदुओं को अपने ही धर्म से डरने पर मजबूर कर दिया है। संजय निरुपम ने कहा कि पहले कांग्रेस पार्टी में एक पावर सेंटर हुआ करता था... लेकिन इस समय कांग्रेस पार्टी में पांच पावर सेंटर है और पांचों की अपनी लॉबी है जो आपस में टकराती रहती है। इन पांचों सेंटर में सबसे पहले सोनिया गांधी हैं, दूसरे सेंटर में राहुल गांधी, तीसरे में प्रियंका गांधी, चौथे में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और आखिरी में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल जी हैं। यह सब अपने प्रकार से राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी से अपने निष्कासन पर

संजय निरुपम ने कहा कि मैंने कल एक घोषणा की और लगभग बजे मल्लिकार्जुन खरगे जी को अपना इस्तीफा भेज दिया। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से बिखरी हुई पार्टी है और पार्टी के नेताओं ने भी कहा है कि इसकी विचारधारा दिशाहीन है। पूर्व सांसद ने पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि उनका निष्कासन उनके इस्तीफा भेजने के कुछ ही क्षण बाद हुआ। जहां निरुपम मुंबई उत्तर-पश्चिम से चुनाव लड़ना चाहते थे, वहीं कांग्रेस की सहयोगी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अमोल कीर्तिकर को उम्मीदवार घोषित किया।

निरुपम ने मुंबई की छह लोकसभा सीटों में से चार पर उम्मीदवारों की घोषणा के बाद राज्य कांग्रेस नेतृत्व पर जमकर हमला बोला था, जिसमें मुंबई उत्तर पश्चिम सीट भी शामिल थी, जिस पर उनकी नजर है। निरुपम ने कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व को खुद को शिवसेना (यूबीटी) के हाथों झुकने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। पार्टी नेतृत्व के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर मुंबई इकाई के पूर्व प्रमुख संजय निरुपम के खिलाफ बुधवार को अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि पार्टी ने पूर्व सांसद को स्टार प्रचारकों की सूची से हटा दिया है।

पटोले के हवाले से कहा गया कि पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची से निरुपम का नाम हटा दिया है और पार्टी और राज्य इकाई नेतृत्व के खिलाफ उनके बयानों के लिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है।

'क्यों छिपाए जा रहे मुस्लिम लीग के झंडे'

वायनाड पहुंचीं स्मृति ईरानी का राहुल गांधी पर वार, अमेठी को धोखा देने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने गुरुवार को वायनाड में भाजपा उम्मीदवार और पार्टी के केरल प्रमुख के सुरेंद्रन के समर्थन में रैली करते हुए राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। रोड शो में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अमेठी के लोगों को धोखा देने के बाद राहुल गांधी वायनाड में भी ऐसा ही करने की तैयारी में हैं। उनका यह बयान पूर्व कांग्रेस प्रमुख द्वारा वायनाड में एक विशाल रोड शो आयोजित करने के एक दिन बाद आया है, जहां से वह मौजूदा सांसद हैं।

उन्होंने कहा कि जब (नरेंद्र) मोदी प्रधान मंत्री बने तो अमेठी में 4 लाख परिवारों को पहली बार शौचालय मिला। कांग्रेस ने वहां 50 साल तक शासन किया और मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही 12 लोगों को अपना घर मिला। स्मृति ईरानी ने कहा कि अब, मैंने सुना है कि वे वायनाड के लोगों को अपना परिवार कह रहे हैं। उन्होंने (कांग्रेस) परिवार के नाम पर अमेठी के लोगों को धोखा दिया और अब वे वायनाड में भी ऐसा ही करने का लक्ष्य बना रहे हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने बुधवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए वायनाड से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा

के साथ शहर में रोड शो किया और क्षेत्र को अपना "घर" तथा लोगों को अपना "परिवार" बताया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, जो 2019 के आम चुनावों के दौरान अमेठी में गांधी के खिलाफ विजयी हुई थीं, ने जोर देकर कहा कि अगर गांधी को इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) से शर्म आती है, तो उन्हें उनके समर्थन को सिरे से खारिज कर देना चाहिए। ईरानी ने आगे इंडिया ब्लॉक के प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार की पहचान पर सवाल उठाया और इस बात पर संदेह जताया कि क्या राहुल गांधी उस पद के लिए उपयुक्त विकल्प थे। ईरानी ने जोर देकर कहा कि इंडिया गुट अपने सहयोगियों के बीच आंतरिक संघर्षों के कारण "टूटा हुआ" था, विशेष रूप से वायनाड लोकसभा क्षेत्र के साथ-साथ राज्य भर में कांग्रेस और वाम दलों के बीच कलह को उजागर किया।

इस बीच कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में समर्थन को लेकर सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) की ओर से की गई घोषणा को सिरे से खारिज कर दिया है. विपक्ष के नेता, वीडी सतीसन और कार्यवाहक केपीसीसी अध्यक्ष एमएम हसन ने जोर देकर कहा है कि पार्टी एसडीपीआई से समर्थन नहीं मांगती है और न ही इसकी इच्छा रखती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्ति बिना किसी प्रभाव या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से समर्थन मांगने के लिए कांग्रेस को भी आड़े हाथ लिया और कहा कि राहुल गांधी "सनातन धर्म के खिलाफ दुश्मनी पैदा करते हैं"। उन्होंने कहा कि कल कांग्रेस पार्टी की नामांकन रैली में मुस्लिम लीग के झंडे छिपाए गए थे, यह दशार्ता है कि या तो राहुल गांधी को मुस्लिम लीग से समर्थन मिलने पर शर्म आ रही है या जब वह उत्तर भारत का दौरा करेंगे और मंदिरों में जाएंगे, तो वह मुस्लिम लीग के साथ अपने संबंधों को छिपा नहीं पाएंगे। मैं यहां वायनाड आकर हैरान हूं कि पीएफआई जैसे आतंकी संगठन के प्रतिबंध के बाद भी राहुल गांधी पीएफआई के राजनीतिक नेतृत्व से समर्थन ले रहे हैं।

प्रत्येक उम्मीदवार को अपना नामांकन दाखिल करने से पहले भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेनी होगी। राहुल गांधी ने भारतीय संविधान के प्रति अपनी शपथ को गलत ठहराया जब उन्होंने अपने चुनावों के लिए पीएफआई के राजनीतिक नेतृत्व से समर्थन लिया।

सोनिया गांधी और अश्विनी वैष्णव सहित 14 सांसदों ने राज्यसभा सदस्य के रूप ली शपथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव समेत 14 सांसदों ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने नए संसद भवन में उन्हें शपथ दिलाई।

सोनिया गांधी ने राजस्थान से उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली जबकि वैष्णव ने ओडिशा से राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। कर्नाटक से कांग्रेस नेता अजय माकन, उत्तर प्रदेश से भाजपा नेता आरपीएन सिंह और पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समिक भट्टाचार्य उन 14 नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। आंध्र प्रदेश से वाईएसआरसीपी नेता गोला बाबू राव, मेधा रघुनाथ रेड्डी और येरम वेंकट सुब्बा रेड्डी ने भी राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। सभी ने बाद में राज्यसभा सभापति के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाई। सोनिया गांधी पहली बार राज्यसभा की सदस्य बनी हैं। उन्होंने सदन के नेता पीयूष गोयल और कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में शपथ ली।

शपथ ग्रहण के दौरान उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाद्रा भी मौजूद थीं। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और महासचिव पी सी मोदी भी इस मौके पर मौजूद थे।

लालू यादव के दांव से बिहार में धड़ाम हुई कांग्रेस की सियासत, पप्पू यादव और कन्हैया हुए किनारे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार के सियासी समर में मुकाबला दिलचस्प होता दिखाई दे रहा है। एक ओर जहां बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन है तो दूसरी ओर इंडिया गठबंधन है जिसमें राजद और कांग्रेस मुख्य रूप से शामिल है। एनडीए ने जहां बिहार में चुनाव का पूरी तरीके से फामूर्ला निकाल लिया है तो वहीं इंडिया गठबंधन में टेंशन अभी भी बरकरार है। एनडीए के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां चुनावी अभियान की शुरूआत भी कर दी है जिसमें नीतीश कुमार भी शामिल रहे तो वहीं दूसरी ओर तेजस्वी यादव एक ऐसी सीट पर राजद उम्मीदवार के नामांकन पर पहुंचे थे जहां इंडिया गठबंधन के भीतर आपस में ही टकराव है। एनडीए गठबंधन जहां मजबूती से चुनाव लड़ता दिखाई दे रहा है तो वहीं इंडिया गठबंधन में कांग्रेस और राजद आपस में ही लड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। एनडीए में जहां सभी दलों ने मिल बैठकर सीटों और उम्मीदवारों पर फैसला किया तो वहीं इंडिया गठबंधन में लालू यादव का ही दबदबा दिखाई दे रहा है। काफी उठा पटक और माथापच्ची के बाद इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे पर फैसला हो सका। सीट बंटवारे में लालू का ही दबदबा दिखाई दिया। 40 सीटों में से राजत 26 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है। जबकि कांग्रेस 9 सीट और वाम दलों के खाते में 5 सीटें गई हैं। राजद जिन सीटों पर चुनाव लड़ रहा है उनमें औरंगाबाद, गया, जमुई, नवादा, सारण, पाटलिपुत्र, बक्सर, उजियारपुर, जहानाबाद, दरभंगा, बांका, अररिया, मुंगेर, सीतामढ़ी, झंझारपुर, मधुबनी, सिवान, शिवहर, वैशाली, हाजीपुर,

सुपौल, वाल्मीकि नगर, पूर्वी चंपारण, पूर्णिया, मधेपुरा और गोपालगंज शामिल है। जबकि दूसरी ओर किशनगंज, कटिहार, समस्तीपुर, पटना साहिब, सासाराम, पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और महाराजगंज में कांग्रेस अपने उम्मीदवार उतार रही है। भाकपा माले को आरा, काराकट और नालंदा का सीट दिया गया है जबकि सीपीआई के खाते में बेगूसराय और सीपीएम के खाते में खगड़िया सीट आई है। लालू यादव के दबाव में कांग्रेस को पूर्णिया जैसी सीट छोड़नी पड़ी जहां से उसने मजबूत उम्मीदवार पप्पू यादव को अपनी पार्टी में शामिल कराया था। पप्पू यादव हाल में ही अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर लिया था। वह कांग्रेस के सिंबल से पूर्णिया से चुनाव भी लड़ने वाले थे। लेकिन यह सीट लालू यादव ने अपने पास रख ली। इतना ही नहीं, पूर्णिया के आसपास वाले मधेपुरा और सुपौल सीट भी लालू की पार्टी के पास है। ऐसे में पप्पू यादव के लिए कोई विकल्प नहीं बचा और ऐसा लगा कि लालू यादव की रणनीति की वजह से उन्हें नुकसान झेलना पड़ा है। हालांकि, पप्पू यादव ने पूर्णिया सीट से नामांकन निर्दलीय तौर पर दाखिल कर दिया है और ऐसे में राजद उम्मीदवार बीमा भारती की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। दूसरी ओर कांग्रेस कन्हैया कुमार के लिए बेगूसराय सीट चाहती थी। लेकिन लालू यादव ने एकतरफा फैसला लेते हुए यह सीट लेफ्ट को दे दी ताकि कन्हैया कुमार के लिए कोई जगह न बच सके।

भागलपुर से भी कन्हैया कुमार के लड़ने की बात कही जा रही थी। लेकिन लालू यादव ने अड़ंगा लगा दिया जिसके बाद कांग्रेस की ओर से अजीत शर्मा को चुनावी मैदान में उतरा गया। बिहार के राजनीतिक विश्लेषक यह दावा कर रहे हैं कि लालू यादव को यह लगता है कि पप्पू यादव और कन्हैया कुमार भविष्य में तेजस्वी यादव के लिए चुनौती बन सकते हैं इसलिए इन दोनों नेताओं को उनकी ओर से कमजोर करने की कोशिश होती रहती है। लाल यादव कटिहार सीट अपने पास रखना चाहते थे लेकिन कांग्रेस तारीक अनवर के लिए यह सीट लेना चाहती थी। ऐसे में लालू यादव को यह सीट कांग्रेस के लिए छोड़ना पड़ा।